दैनिक
प्रातः कालीन
www.knsllive.com
मुरादाबाद से प्रकाशित
क्यूँ न लिखूँ सच
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI NO.UPBIL/2021/83001
वर्ष-04 अंक-301 मुरादाबाद,
22 February, 2025 (Saturday)
मूल्य- 03 रूपये पृष्ठ-08
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीजीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,अलीगढ़, संभल, श्रावस्ती,अलीगढ़ और उत्तराखंड

page 3 कहा-बसपा से गठबंधन की बरगलाने वाली बातें दोहरा चरित्र
page 5 खेल कूद तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन
page 6 अकमल ने पाकिस्तान टीम को लताड़ा

देश में दूसरे नंबर पर है उत्तर प्रदेश का ग्रोथ रेट

6 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से उबारा: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन समाजवादी पार्टी की विधायक डॉ रागिनी सोनकर ने योगी सरकार के एक ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज गरीब और गरीब होता जा रहा है।मिडिल क्लास के जेब में पैसे नहीं है, ऐसे में सरकार का यह दावा कई सवाल खड़े करता है। सपा विधायक के इस सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले आठ साल में सरकार ने 6 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से उबारा है।

उत्तर प्रदेश का ग्रोथ रेट भी देश में दूसरे नंबर है।मुख्यमंत्री ने सवाल का जवाब देते हुए कहा कि सदस्या ने बहुत महत्वपूर्ण सवाल किया है, लेकिन वे खुद प्रश्न तैयार करके नहीं लाई है।उन्हें जानकारी होनी चाहिए कि उत्तर प्रदेश ने एक ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने का लक्ष्य रखा है और देश तीन ट्रिलियन नहीं पांच ट्रिलियन इकॉनमी बनने की और अग्रसर है।आपकी पीड़ा को मैं समझ सकता हूं क्योंकि आपके नेता कहते हैं कि देश कभी विकसित नहीं बन सकता ।

आप तो उसका अनुशरण करेंगी ही कि उत्तर प्रदेश कभी भी एक ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी नहीं बन सकता, यह वक्तव्य आपका आपकी पार्टी की मंशा के हिसाब से उपयुक्त ही है।भारत आज दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है और 227 में तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनकर ही रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हो सकता है कुछ लोगों को अच्छा नहीं लग रहा हो क्योंकि जिनका अपना पर्सनल एजेंडा होता है वे देश के विकास को अच्छा नहीं मानेंगे। प्रधानमंत्री जिस देश को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए काम कर रहे हैं। हमने भी अपना लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने 1 सेक्टर बनाए हैं। पिछले आठ सालों में 6 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए। यह तब हो रहा है जब वैश्विकी महामारी से पूरा विश्व आर्थिक मंडी के दौर से गुजरा, लेकिन हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ती रही है।ये चीजें दिखाती हैं कि सभी सेक्टर में बदलाव हुआ है। उत्तर प्रदेश के इस पोटेंशियल को हम महाकुंभ से जोड़कर देख सकते हैं। अकेले महाकुंभ से तीन लाख करोड़ से अधिक का लाभ होने वाला है। यह कहना कि उत्तर प्रदेश इस लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाएगा, ये आपकी दुर्भावना हो सकती है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी और विपक्षी दलों की सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों ने प्रदेश को बीमारू राज्य बनाया था। प्रदेश की अर्थव्यवस्था छठे और सातवें नंबर पर थी, लेकिन मैं आज गर्व से कह सकते हैं कि पिछले आठ वर्षों में हमारी जीडीपी देश में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है।

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की मुलाकात

विकास यात्रा में आपका मार्गदर्शन सदैव मिलता रहेगा

नई दिल्ली। मीडिया से बात करते हुए दिल्ली के नए सीएम ने कहा कि कल कैबिनेट बैठक में हमने आयुष्मान भारत योजना को मंजूरी दे दी, जिसे आप ने रोक दिया था। योजना जल्द ही सार्वजनिक डोमेन में होगी। आज, हमने कैबिनेट के साथ बैठक के लिए पीडब्ल्यूडी और जल बोर्ड के अधिकारियों को बुलाया है। हम गड्ढों के मुद्दे को उठाएंगे। सीएम रेखा गुप्ता ने भी लोगों से बातचीत की, क्योंकि शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोग शालीमार बाग में उनके आवास के बाहर उनका स्वागत करने के लिए एकत्र हुए थे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पदभार संभालने के एक दिन बाद शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। उन्होंने राष्ट्रपति मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में और उपराष्ट्रपति धनखड़ से राष्ट्रीय राजधानी में उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में

मुलाकात की। इससे पहले दिन में, रेखा गुप्ता ने समर्थकों से मुलाकात के दौरान आभार व्यक्त किया और कहा कि दिल्ली सरकार ने पहली कैबिनेट बैठक में ही आयुष्मान भारत योजना को मंजूरी दे दी, जिसे आप ने 'अवरुद्ध' कर दिया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने आगे के मुद्दों के बारे में भी बात की जिन पर आगामी कैबिनेट बैठकों में चर्चा की जाएगी। मीडिया से बात करते हुए दिल्ली के नए सीएम ने कहा कि कल कैबिनेट बैठक में हमने आयुष्मान भारत योजना को मंजूरी दे दी, जिसे आप ने रोक दिया था। योजना जल्द ही सार्वजनिक डोमेन में होगी। आज, हमने कैबिनेट के साथ बैठक के लिए पीडब्ल्यूडी और जल बोर्ड के अधिकारियों को बुलाया है। हम गड्ढों के मुद्दे को उठाएंगे। सीएम रेखा गुप्ता ने भी लोगों से बातचीत की, क्योंकि शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोग शालीमार बाग में उनके आवास के बाहर उनका स्वागत करने के लिए एकत्र हुए थे। लोग मालाएं और फूलों के गुलदस्ते लेकर उन्हें बधाई देने पहुंचे। रेखा गुप्ता ने गुरुवार को रामलीला मैदान में एक भव्य समारोह में दिल्ली की 9वीं मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली में भाजपा की दूसरी और राष्ट्रीय राजधानी में चौथी महिला मुख्यमंत्री हैं। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने रेखा गुप्ता और उनके मंत्रिपरिषद को पद की शपथ दिलाई।

208 आरोपियों के खिलाफ 4175 पन्ने में है आरोपपत्र, पूरी घटना का विस्तार से जिक्र

संभल। संभल जामा मस्जिद सर्वे के दौरान 24 नवंबर को हुई हिंसा के छह मामलों में पुलिस ने 208 आरोपियों

के खिलाफ 4175 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। इनमें चार मामले संभल कोतवाली और दो नखासा थाने में दर्ज थे। हिंसा में चार लोगों की मौत हुई थी और कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। संभल जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान 24 नवंबर को हुई हिंसा में मामले में दर्ज मुकदमों में से छह में पुलिस ने बृहस्पतिवार को कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। पुलिस ने इन छह मुकदमों के 208 आरोपियों के खिलाफ 4175 पन्ने में आरोपपत्र दाखिल किया है। इसमें चार आरोपपत्रों में से चार संभल कोतवाली में दर्ज मुकदमों के और दो नखासा थाने में दर्ज केस के हैं। 19 नवंबर 2024 को सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य कुमार की कोर्ट ने में संभल की जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने का दावा किया गया था। इसी दिन न्यायालय ने रमेश सिंह राघव को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त कर दिया था और उन्होंने शाम को मस्जिद का सर्वे किया। इसके बाद 24 नवंबर की सुबह 7.30 बजे जब कोर्ट कमिश्नर डीएम और एसपी की मौजूदगी में मस्जिद का दोबारा सर्वे करने पहुंचे तो बवाल हो गया। हिंसा में चार लोगों की जान चली गई थी और काफी संख्या में पुलिस कर्मी घायल हो गए थे। इसको लेकर बवाल में सात एफआईआर दर्ज हुई थीं।

जी20 मंत्रियों की बैठक के दौरान जयशंकर का चीन पर कटाक्ष

जबरदस्ती की कोई गुंजाइश नहीं...

नई दिल्ली। चीन पर कटाक्ष करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि जबरदस्ती की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए और बहुपक्षीयता पर जोर देते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक एजेंडे को कुछ लोगों के हितों तक सीमित नहीं किया जा सकता। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भू-राजनीतिक परिदृश्य की वर्तमान जटिलताओं को उजागर करते हुए कहा है कि विचारों में सामंजस्य स्थापित करने की जी-20 की क्षमता वैश्विक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। जयशंकर जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका की दो दिवसीय यात्रा पर जोहानिसबर्ग में हैं। चीन पर कटाक्ष करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि जबरदस्ती की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए और बहुपक्षीयता पर जोर देते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक एजेंडे को कुछ लोगों के हितों तक सीमित नहीं किया जा सकता।जोहान्सबर्ग में जी20 विदेश मंत्रियों की पहली बैठक में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि सदस्य देशों को यह भी पहचानना चाहिए कि बहुपक्षीयता स्वयं बहुत क्षतिग्रस्त है और संयुक्त राष्ट्र तथा इसकी सुरक्षा परिषद अक्सर ग्रिड-लॉक हो जाती है। इस साल 22-23 नवंबर को जोहान्सबर्ग में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन से पहले आयोजित विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान जयशंकर ने दृढ़ता से कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से 1982 के संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) का सम्मान किया जाना चाहिए। जयशंकर ने जोर देकर कहा, करार किए गए समझौतों का पालन किया जाना चाहिए और जबरदस्ती की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। विदेश मंत्री ने कहा, सिर्फ. यूएनएससी को काम पर वापस लाना ही काफी नहीं है; इसके काम करने के तरीके और प्रतिनिधित्व में बदलाव होना चाहिए। वैश्विक घाटे को कम करने के लिए ज्यादा बहुपक्षीयता की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग को कम अपारदर्शी या एकतरफा होना चाहिए। और वैश्विक एजेंडा को कुछ लोगों के हितों तक सीमित नहीं किया जा सकता। जयशंकर की टिप्पणी चीन द्वारा पाकिस्तान के बहुराष्ट्रीय अमन-2025 नौसैनिक अभ्यास में भाग लेने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें इंडोनेशिया, इटली, जापान, मलेशिया, अमेरिका और 32 अन्य देशों के पर्यवेक्षकों ने भी भाग लिया था। नौसैनिक अभ्यास में चीन की भागीदारी हिंद महासागर में उसके नौसैनिक विस्तार के साथ जुड़ी हुई है। बीजिंग ने कहा कि उसका ध्यान समुद्री डकैती विरोधी और समुद्री सुरक्षा, प्रमुख समुद्री मार्गों और विदेशी हितों की रक्षा पर है। यह अभ्यास भारत के ट्रॉपेक्स अभ्यास के साथ हुआ, जो भारतीय नौसेना का एक बड़े पैमाने का अभ्यास है जिसमें युद्ध की तत्परता का परीक्षण किया जाता है। भारत चीन की स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स रणनीति से सावधान है, जिसमें पूरे क्षेत्र में सैन्य अड्डे और गठबंधन बनाना शामिल है।

इंदिरा गांधी पर स्तरहीन टिप्पणी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता

विधानसभा में हंगामे को लेकर गहलोत बोले

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में आज हुए हंगामे को लेकर पूर्व सीएम अशोक गहलोत का बयान भी आ गया है। उन्होंने बीजेपी के मंत्री की ओर से पूर्व पीएम इंदिरा गांधी पर की गई टिप्पणी को लेकर एक्स पर बयान जारी किया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ऐसा लगता है कि भाजपा सरकार विधानसभा चलाना ही नहीं चाहती है, इसलिए उनके मंत्री और विधायक अनर्गल टिप्पणियां कर रहे हैं। गहलोत ने कहा कि प्रदेश के मंत्री अविनाश गहलोत ने देश के लिए शहादत देने वाली पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर स्तरहीन टिप्पणी की है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि वह विकास के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के बयान दिलवा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवचरण माथुर पर भी अपमानजनक बयान गहलोत ने आगे कहा कि कुछ दिन पहले भाजपा विधायक गोपाल शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवचरण माथुर पर गंभीर आरोप लगाए थे।

हर भारतीय विकसित भारत के लिए दिन-रात काम कर रहा : पीएम

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'बेहतरीन लीडर्स का विकास जरूरी है और समय की मांग है इसलिए 'स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप' की स्थापना विकसित भारत की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण और बड़ा कदम है...' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (SOUL) लीडरशिप कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का उद्घाटन किया। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे भी उनके साथ मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज हर भारतीय, 21वीं सदी के 'विकसित भारत' के लिए दिन-रात काम

कर रहा है। ऐसे में 140 करोड़ के देश में भी हर सेक्टर में, हर वर्टिकल में, जीवन के हर पहलू में हमें उत्तम से उत्तम नेतृत्व की जरूरत है। 'कुछ आयोजन ऐसे होते हैं जो हृदय के बहुत करीब होते हैं' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'कुछ आयोजन ऐसे होते हैं जो हृदय के बहुत करीब होते हैं आज का कार्यक्रम भी ऐसा ही है। राष्ट्र निर्माण के लिए बेहतर नागरिकों का विकास जरूरी है। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण, 'जन से जगत', किसी भी ऊंचाई को प्राप्त करने के लिए आरंभ जन से ही होता है।'

मुझे हल्के में न लें, जो इस संकेत को समझना चाहते हैं, समझ लें :शिंदे

मुंबई । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, 'मुझे हल्के में न लें, जिन्होंने मुझे हल्के में लिया है, उनसे मैं पहले ही कह चुका हूं। मैं पार्टी का सामान्य कार्यकर्ता हूं, लेकिन बाला साहेब का कार्यकर्ता हूं और सभी को मेरी बात समझनी चाहिए। महाराष्ट्र की महायुति सरकार में अनबन की खबरों को लेकर विपक्ष के आरोपों पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि जिन्होंने 2022 में मुझे हल्के में लिया, मैंने उनकी सरकार ही बदल दी थी और डबल इंजन की सरकार लेकर आए थे। इसलिए मेरी बात को गंभीरता से लें। शिंदे का बयान

ऐसे वक्त आया है, जब दावा किया जा रहा है कि शिंदे महाराष्ट्र की महायुति सरकार से नाराज चल रहे हैं। हालांकि, शिंदे कई बार इन आरोपों का खंडन कर चुके हैं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, 'मुझे हल्के में न लें, जिन्होंने मुझे हल्के में लिया है, उनसे मैं पहले ही कह चुका हूं। मैं पार्टी का सामान्य कार्यकर्ता हूं, लेकिन बाला साहेब का कार्यकर्ता हूं और सभी को मेरी बात समझनी चाहिए। 2022 में जब आपने हल्के में लिया, तो बाजी पलट गई और मैंने सरकार बदल दी, हम आम लोगों की इच्छा की सरकार लेकर आए। विधानसभा में अपने पहले भाषण में मैंने कहा था कि देवेंद्र फडणवीस को 200 से ज्यादा सीटें मिलेंगी और हमें 232 सीटें मिलीं। इसलिए मुझे हल्के में न लें, जो लोग इस संकेत को समझना चाहते हैं, वे समझ लें मैं अपना काम जारी रखूंगा।' सियासी अटकलों से मचा हुआ है बवाल दरअसल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच कई मुद्दों पर मतभेद बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। इनमें संरक्षक मंत्री की नियुक्ति से लेकर अलग-अलग समीक्षा बैठकें करना शामिल है।

संछिप्त खबरे

अरविंदर सिंह लवली होंगे दिल्ली विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय राजधानी की नई मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। रामलीला मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में छह मंत्रियों ने भी शपथ ली। विजेंद्र गुप्ता के दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष बनने की संभावना है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक और दिल्ली विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि अरविंदर सिंह लवली सदन में प्रोटेम स्पीकर की भूमिका निभाएंगे। प्रोटेम स्पीकर अस्थायी विधानसभा अध्यक्ष होते हैं, जो पूर्णकालिक अध्यक्ष के चुनाव तक सीमित समय के लिए सदन की कार्यवाही का संचालन करते हैं। गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, दिल्ली की जनता के जोश और जुनून के अनुरूप कदम दर कदम आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री के साथ बैठक हुई है, जिसमें आगे की कार्यवाही कैसे आगे बढ़ेगी इस पर कुछ चर्चा हुई है। प्रोटेम स्पीकर के सवाल पर गुप्ता ने कहा कि सदन की कार्यसूची शाम तक जारी कर दी जाएगी और यह भूमिका लवली अदा करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को 26 साल से अधिक समय के बाद दिल्ली में सरकार बनाई। रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय राजधानी की नई मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।

जेल में बंद गैंगस्टर की पत्नी मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली। व्यक्ति को मादक पदार्थ पहुंचाये जाने के बारे में सूचना मिली तब उसने जोया को पकड़ा। जोया का पति पिछले साल से दक्षिण दिल्ली के ग्रेटर कैलाश में एक जिम मालिक की हत्या में कथित भूमिका के लिए जेल में बंद है। पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में जेल में बंद गैंगस्टर हाशिम बाबा की पत्नी को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाबा की 33 वर्षीय पत्नी जोया को 225 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि उसे एक गुप्त सूचना मिली थी कि जोया नशीले पदार्थों की तस्करी में संलिप्त है, जिसके बाद उसने उसके खिलाफ और सबूत जुटाए। पुलिस के अनुसार बुधवार को उसे एक अज्ञात व्यक्ति को मादक पदार्थ पहुंचाये जाने के बारे में सूचना मिली तब उसने जोया को पकड़ा।

मुंबई में फिल्म सिटी के पास झुग्गियों में लगी आग, कोई हताहत नहीं

मुंबई । अधिकारी ने बताया कि बीएमसी ने इन झोपड़ियों में रहने वाले कम से कम 200-250 लोगों के लिए गोकुलधाम नगरपालिका स्कूल में भोजन और आश्रय की व्यवस्था की है। मुंबई के गोरेगांव में ऐतिहासिक फिल्म सिटी के द्वार पास झुग्गियों में बृहस्पतिवार को भीषण आग लग गयी। हालांकि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। नगर निकाय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि संतोष नगर में शाम साढ़े सात बजे आग लग गई जिसे बुझाने के लिए 14 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया, 150 से 200 झुग्गियों तक आग फैल गई थी। आग को चारों तरफ से बुझा दिया गया है और अभियान जारी है।

Editorial

Overcoming grief

Bill Maher writes, "Suicide is man's way of telling God: you can't fire me, I quit." But do brave men commit suicide? Fear, anxiety, emotional upheavals, unpleasant feelings, panic attacks and phobias are all symptomatic of a fragile and delicate mind. It is an expression of an unpleasant emotion caused by the threat of danger or pain.A fragmented mind is invariably a victim of irrational fear. Such an individual is unable to distinguish between what is logical and what is not. People suffer from extreme or irrational fear or aversion. This is nothing but what is called phobia (the Greek word for fear). A contributor to the magnification of fear is our pent-up emotions. These emotions are not based on a rational or scientific thinking pattern. We end up reacting violently or irrationally rather than responding in a coherent and clear-sighted manner. Humans should be prudent to ponder that if left untreated this situation can become mourning regalia. A person can suffer from psychosomatic illnesses, loss of appetite, self-deprecatory behaviour or even schizophrenia. This has a multiplier effect in the form of morbid thoughts, persecution complexes and even hallucinations. An element of fear is perhaps required, because then we can patrol our fences. However, this needs to be distinguished from false bravado. Such an attitude will only be tantamount to mere filibustering or posturing. The brain is an organ and the mind is our intellect. The power of the mind needs to be magnified and enhanced to conquer fear. The mind is a movie theatre where the soap opera of our life is enacted.We play, rewind and rerun an enormous number of movies. These are based on our idiosyncrasies and quality of thoughts. Thoughts are impacted by the kind of food we partake in (Tamasik, Rajasik, Sattvik), the company we keep and the amount of rest we take.The quality (guna) of food has a bearing on our disposition and approach to life. Tamasik food makes us sluggish, Rajasik food makes us feverish or anxious in disposition and Sattvik food makes us feel calm. The first two lead us to fearful situations.If we are closeted to individuals who have a negative thought process, we imbibe such attributes and evince such a behavioural pattern. "Man is known by the company he keeps" is a very old adage and so is "man is born free but always is in chains". Suppose we have inspirational friends and achievers in our orbit, we will tread such a path.It is cardinal to have adequate physical and mental rest. If we are rested, then we are at peace and do not complain or quibble. Then we are physically and mentally alert and high-yielding. In our minds, we need to keep space to just dump the garbage that disappears into the recycle bin, never to appear again. We need to pursue passions, hobbies, indulge in sports, participate in extracurricular activities, avoid negative company, take up initiatives, practice meditation, keep the mind occupied, footslog on the treadmill, go for long walks, go for treks, and read autobiographies of entrepreneurs and achievers.Others adopt the spiritual path by practising pranayama, learning yoga, undertaking the Art of Living course or observing the breath through the Vipassana technique.Bill Maher writes, "Suicide is man's way of telling God: you can't fire me, I quit." But do brave men commit suicide? Fear, anxiety, emotional upheavals, unpleasant feelings, panic attacks and phobias are all symptomatic of a fragile and delicate mind. It is an expression of an unpleasant emotion caused by the threat of danger or pain. A fragmented mind is invariably a victim of irrational fear. Such an individual is unable to distinguish between what is logical and what is not. People suffer from extreme or irrational fear or aversion. This is nothing but what is called phobia (the Greek word for fear). A contributor to the magnification of fear is our pent-up emotions. These emotions are not based on a rational or scientific thinking pattern. We end up reacting violently or irrationally rather than responding in a coherent and clear-sighted manner.

Make the right choices in life

Yes, there are five choices; by making them we can excel in life. These are to become good people. We know whom we call good. They are good in their behaviour, choices, etc. The next level is of those, who are not only good but they mostly follow dharma also, which pleases God. The next level is that of welfare workers, who dedicate their lives to the service of humanity without any selfish motive. Out of the followers of dharma, God appoints some as His (nimitta) instrument to carry out activities for God to uphold dharma. The topmost level of course is of bhaktas (devotees) of God. I will now give details regarding how one can become these five and what benefits one will derive by doing so. To be good in spiritual parlance means to have the highest percentage of the mode of goodness. There are three modes, which are: goodness, passion and darkness. They are always competing with us. (The Bhagavad-Geeta 14.10) The mode of goodness is illuminating and free from diseases on account of purity. (14.6) The mode of passion suffers from the fault of attachment. (14.7) One is too attached to certain acts and their results. Unfortunately, the results are not in our hands. (2.47) One, therefore, suffers from anxiety, fear, depression, etc. The mode of darkness deludes, which gives rise to many faults like carelessness. (14.8) Lord Krishna has set out in great detail about activities in goodness in the Bhagavad-Geeta. If we imbibe them, the percentage of the mode of goodness will gradually increase in us. There are many benefits in doing so and the best is goodness being the stepping stone to devotional life – the highest, and good karmaphalas of course. The next level is of persons, who strictly follow dharma besides being good. This sets them apart from the masses. One is aligned with the plan of God for us, who is for upholding dharma. God even incarnates to do so. (6.7) We know what dharma is; it is the highest moral and religious principle. Benefits are many including accumulating pious karmas. The third higher level is that of welfare workers. God promises no 'durgati' (bad end) for such persons. (6.40) This is a big achievement because old age and bad ends are very scary prospects for human beings. Lord Krishna has singled out King Janaka as the role model in the Bhagavad-Geeta (3.20) in this connection. The next higher level is that of 'nimittas' (instruments) of God; He chooses them from those who are habitually followers of dharma and are inclined to serve God as Arjuna did. God does everything as a karta for them and they get credit for the acts done. (11.33) The topmost category is those of devotees of God. Their rise is from being good people to strict followers of dharma. Then, they do spiritual practices like praying, darshan of God's Deities, offering obeisance to God, chanting of God's names and mantras, dhyan of God, thanking God for favours done, etc. They become very dear to God, who is everything. (7.19) The topmost benefit of being a devotee of God is liberation in a few lives. (6.45)I am going to describe the benefits in greater detail because these are the highest. God guides, and He, being omniscient, knows what will work every time. I have made a habit of praying for guidance anytime I have some doubts about something. I have been surprised by God's response. They are no longer intuitions because they work. The same happens in the case of help. God helps His devotees like one cannot even dream of.

Beyond the boundary: The passion, intelligence and legacy of cricket

There are people who frown upon what they view as the obsessive interest that many Indians have in cricket and, to a lesser extent, soccer. One wonders how many of them are familiar with Rudyard Kipling's reference to the "flannelled fools at the wicket or the muddied oafs at the goal" in his poem, The Islander, first published in The Times, London, on January 4, 1902. One also wonders whether even those who are familiar are aware that any attempt to cite the quote in vindication of their position, can run into a squall. He wrote the poem in anger, as he felt that the English cricket team that was on an ashes tour of Australia in 1901-02, was getting more attention from the public than the British soldiers who were dying in the Boer War in South Africa, which was then limping towards an end. People paid lip service to their valour and "Then ye returned to your trinkets; then ye contented your souls/ With the flannelled fools at the wicket or the muddied oafs at the goals." It is clear from the lines that follow that Kipling's rebuke was addressed not primarily at Britishers who played cricket and soccer but his countrymen in general for not doing enough to cope with the challenges that were going to confront the British empire—of which he was an unabashed apologist. These read, "Given to strong delusion, wholly believing a lie, / Ye saw that the land lay fenceless, and ye let the months go by/Waiting some easy wonder, hoping some saving sign/Idle—openly idle—in the lee of the forespent Line. / Idle—except for your boasting—and what is your boasting worth/If ye grudge a year of service to the lordliest life on earth?" The reference in the last line was to conscription for military service that many in Britain abhorred. Let us, however, not digress, especially when it not even caused by "perfume from a dress"—as TS Eliot puts it in The Love Song of J. Alfred Prufrock. Our original concerns were cricket and soccer, to which we must now revert. I have never played much soccer. I played cricket for my College (Presidency) and clubs (Union Sporting and Dakshin Kolikata Sangsad), in Kolkata in the 1950s. Even at those levels—by no means lofty—I realised that playing required a lot of intelligence and application of mind, intense concentration, reflection, enormous will power and determination, courage, considerable physical fitness and huge reserves of stamina. Intelligence was needed to tailor one's batting and/or bowling to meet the demands of the pitch and the nature of the outfield, The mind had to be set to work to find out the vulnerabilities of the players of the opposing side, and devise the strategy to win a match. Determination was needed to continue fighting even when the odds were heavily loaded against one, will power to calm the butterflies that began in fluttering in one's stomach as one walked out to bat and took guard, and courage not to run away from fast bowling on a wicket with uneven bounce where one could get hurt any moment. The matches we played were mostly for a day. As an opening batsman, I could be at the wicket for a maximum period of three hours. As a first-change medium pacer, I bowled a maximum of eight overs in two spells. As the skipper of my college team, I fielded mostly at first slip or short square leg, which meant I did not have to do much running around. Yet I was pretty much drained out at the end of it all. Cricket matches are war by other means among well-established rivals, and particularly so when it comes to India and Pakistan, or England and Australia for the ashes. It, however, also has other dimensions. If history, to quote TS Eliot again—this time from Gerontion—"has many cunning passages, contrived corridors," cricket has its tantalising moments and amusing anecdotes. Several of the latter relate to Dr WG Grace, a legend of English cricket who had an MRCS and LRCP against his name. In one of these, he had gone to a village to play in a charity match, and a massive crowd had turned out to watch. A huge cheer rent the sky as he walked to the wicket and took guard. Then the unthinkable happened. A village lad who was bowling shattered his stumps with the devil of a delivery. The umpire signalled "out." A deadly hush fell on the ground. Grace did not move. He looked at the bowler and said, "All of these people have come to see WG Grace bat and not your monkey tricks. So go back and start bowling."

मियावती का राहुल गांधी को जवाब

कहा-बसपा से गठबंधन की बरगलाने वाली बातें दोहरा चरित्र

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के उस साधते हुए कहा कि यूपी जैसे राज्य में कांग्रेस कमजोर है, वहां बीएसपी से गठबंधन की बरगलाने वाली बातें

बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने मायावती पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बी-टीम बनकर काम करने का आरोप लगाया था। मायावती ने राहुल गांधी पर निशाना करना यह उस पार्टी का दोहरा चरित्र नहीं तो और क्या है? उन्होंने कहा कि यूपी और अन्य राज्यों में जब भी कांग्रेस जैसी जातिवादी पार्टियों के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ा है, तब हमारा बेस वोट उन्हें ट्रांसफर हुआ है। लेकिन, वे पार्टियां अपना बेस वोट बीएसपी को ट्रांसफर नहीं करा पाई हैं। ऐसे में बीएसपी को हमेशा घाटे में ही रहना पड़ा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सिलसिलेवार तरीके से एक के बाद एक कई पोस्ट किए। बसपा प्रमुख मायावती ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए लिखा, कांग्रेस पार्टी जिन राज्यों में मजबूत है या जहां उनकी सरकारें हैं, वहां बीएसपी और उनके अनुयाइयों के साथ द्वेष व जातिवादी रवैया है, किंतु यूपी जैसे राज्य में जहां कांग्रेस कमजोर है, वहां बीएसपी से गठबंधन की बरगलाने वाली बातें करना, यह उस पार्टी का दोहरा चरित्र नहीं तो और क्या है? उन्होंने आगे लिखा, फिर भी बीएसपी ने यूपी व अन्य राज्यों में जब भी कांग्रेस जैसी जातिवादी पार्टियों के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ा है तब हमारा बेस वोट उन्हें ट्रांसफर हुआ है, लेकिन वे पार्टियां अपना बेस वोट बीएसपी को ट्रांसफर नहीं करा पाई हैं। ऐसे में बीएसपी को हमेशा घाटे में ही रहना पड़ा है। मायावती ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, वैसे भी कांग्रेस व भाजपा आदि का चाल, चरित्र, चेहरा हमेशा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, उनकी अनुयायी बीएसपी व उसके नेतृत्व, उनके दलित-बहुजन अनुयाइयों एवं आरक्षण आदि का घोर विरोधी रहा है, जिससे देश संविधान का समतामूलक व कल्याणकारी उद्देश्य पाने में काफी पीछे है, जो चिन्ताजनक है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली से सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी गुरुवार को अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचे।

कैदियों ने जेल में गंगा स्नान किया,जेल मंत्री ने संगम के जल में लगवाई डुबकी

लखनऊ। जिला कारागार के कैदियों ने शुक्रवार को महाकुंभ के पवित्र संगम जल से स्नान किया। जेल प्रशासन ने इच्छुक कैदियों के लिए विशेष व्यवस्था की। कार्यक्रम में कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा- संगम में 55 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। कैदियों को पुण्य स्नान से वंचित नहीं किया जा सकता। इसलिए बंदियों के लिए भी संगम का पानी लाकर स्नान के लिए दिया गया है। कारागार मंत्री ने इससे पहले शहर के गोसाईगंज स्थित जिला कारागार में सुबह विशेष स्नान कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रमुख सचिव कारागार अनिल गर्ग और महानिदेशक कारागार पीवी रामाशास्त्री भी उपस्थित थे।मंत्री दारा सिंह ने कहा यूपी प्रमुख सचिव ने नवरात्र में सभी बंदियों को फल की व्यवस्था की थी। इसकी मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने सराहना की थी। इससे प्रेरणा लेते हुए कैदियों को महाकुंभ स्नान का अवसर देने के लिए संगम से जल लाया गया है। कार्यक्रम के दौरान जेल परिसर में बड़े बर्तनों और हौद के पानी में त्रिवेणी संगम से लाए गए जल को मिलाया गया। इसके बाद कैदियों ने उस पानी से स्नान किया। इस अवसर पर कैदियों ने कहा- हम बाहर महाकुंभ की चर्चा तो सुन रहे थे। सुनने में आ रहा था कि भव्य महाकुंभ लगा है। दुख था कि संगम में स्नान नहीं कर पाएंगे पर इस बार जेल में ही संगम का जल से स्नान हो गया। हम बहुत खुश है। महानिदेशक कारागार पीवी रामाशास्त्री ने बताया कि कार्यक्रम में 200 कैदियों ने संगम जल से स्नान किया। इसके साथ ही विशेष पूजा-अर्चना भी की गई। उन्होंने बताया कि प्रदेश की सभी जेलों में निरुद्ध कैदियों के लिए त्रिवेणी संगम के पवित्र जल से जेलों में ही स्नान एवं पूजा-अर्चना की व्यवस्था की गई है। सरकार का उद्देश्य है कि बंदी भी पुण्य प्राप्ति से वंचित न रहें, उनकी धार्मिक भावनाओं,आस्थाओं का पूरा सम्मान किया जाए।

राष्ट्रीय सेवा योजना हम सबके रोम -रोम में बस्ती है,संयुक्त शिक्षा निदेशक -राकेश कुमार

सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के समापन सत्र में आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों स्वंयसेवियों ने बिखेरी छटा

रिठौरा श्री पी0 सी 0आजाद इण्टर कालेज बिहार कलां के कार्यक्रम अधिकारी जलज सक्सेना,स्वंयसेवियों द्वारा चलाए जा रहे सात दिवसीय शिविर का शुक्रवार को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के समापन सत्र के मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक राकेश कुमार ने मां सरस्वती के चित्र के सामने पर दीप प्रज्ज्वलित , पुष्प अर्पित करके शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान धौंरेरा माफी राकेश पटेल ने की। छात्राओं कुमारी मीनाक्षी , महविश ने मां सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत, लक्ष्य गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत –सम्मान किया। कालेज के प्रधानाचार्य डाक्टर राजेन्द्र कुमार गंगवार ने मुख्य अतिथि समेत सभी अतिथियों को अंग वस्त्र ,स्मृति चिन्ह् देकर अभिनन्दन व स्वागत किया। कुमारी आरफा , कुमारी मंतशा, कुमारी दीक्षा, अनमोल कुमार को स्वयं सेवकों का लीडर घोषित किया। कार्यक्रम संयोजक जलज सक्सेना ने सात दिवस में कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि राकेश कुमार ने गांव में होने वाली समस्याओं से अवगत कराते हुए समाधान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा भारत गांवों में ही बसता है।असली भारत हमारे गांव ही हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना हम सब के रोम –रोम में बस्ती है। दूसरों की सेवा, सामूहिक कार्यों में भाग लेना, सामूहिक भोजन करना यह सब में एक सूत्र में बांधने का माध्यम हैं।देश के प्रधानमंत्री ने परीक्षा पर चर्चा के विषय पर भी प्रकाश डालते हुए बताया परीक्षा को उत्सब की तरह ही दें,आप जीवन में अवश्य सफल होंगे। उन्होंने महाकुंभ का भी जिक्र करते हुए बताया पूरे विश्व में ऐसा अनोखा पावन संगम स्नान नहीं होता यह केवल भारत की पुण्य धरा पर हो रहा है।विशिष्ट अतिथि कर्नल पुरूषोत्तम सिंह ने ग्रामीण बालिका शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में विस्तार से बताते हुए सैनिक जीवन से रू–ब–रू करवाते हुए।

सपा की सरकार बनी तो लिखी जायेगी अत्याचार की पटकथा संभल होगा सबसे ऊपर: शिवपाल

लखनऊ। संभल हिंसा लेकर समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता शिवपाल सिंह यादव के बिगड़े बोल सामने आए हैं। शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए शिवपाल ने संभल हिंसा को लेकर विवादित बयान दिया। शिवपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी तो अत्याचार की पटकथा लिखी जाएगी और संभल उसमें सबसे ऊपर होगा।सपा नेता शिवपाल यादव ने यह विवादित बयान ऐसे वक्त दिया है, जब यूपी पुलिस संभल हिंसा को लेकर चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। यूपी पुलिस की विशेष जांच टीम ने संभल में 24 नवंबर की हिंसा से जुड़े छह मामलों में गुरुवार को 4,4 से अधिक पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है।अधिकारियों ने कहा कि उनकी जांच से पता चला है कि संभल के मूल निवासी शारिक साठा, जो यूएई में है। उसने हिंसा की साजिश रची। जिसकी वजह से पांच लोगों की मौत हुई थी, जबकि कई अन्य घायल हुए थे। साठा, जो पहले दिल्ली–एनसीआर से 3 से अधिक वाहन चुराने वाला एक कार चोर गिरोह चलाता था। वो दाऊद इब्राहिम और पाकिस्तान की आईएसआई से जुड़ा हुआ है। पुलिस ने कहा कि उसने फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल करके देश से भाग गया।सर्कल अधिकारी कुलदीप कुमार और अतिरिक्त जिला सरकारी वकील हरिओम प्रकाश ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अर्चना सिंह की अदालत में आरोपपत्र पेश किए। आरोपपत्र में 79 आरोपियों के नाम हैं, जो वर्तमान में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत जेल में हैंसंभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि जांच के दौरान साठा की संलिप्तता सामने आई और हमारे द्वारा बरामद सबूतों के आधार पर, हम कह सकते हैं कि उसने हिंसा की साजिश रची थी। चार्जशीट में साठा के गिरोह के सदस्य शामिल हैं। यह चार्जशीट का पहला तथ्य है और जांच आगे बढ़ने पर हम एक पूरक चार्जशीट दाखिल करेंगे।एफआईआर में नामित सभी संदिग्धों की भूमिका की जांच कर रहे हैं और जांच पूरी होने के बाद उस मामले में चार्जशीट दाखिल की जाएगी।मस्जिद के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण एएसआई द्वारा अदालत के आदेश पर किए गए निरीक्षण के दौरान झड़पें हुई थीं। पुलिस ने सात एफआईआर दर्ज कीं, जबकि मृतकों के परिवारों ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ चार और एफआईआर दर्ज कीं। एक अन्य एफआईआर एक घायल व्यक्ति ने तुर्की मूल के अज्ञात संदिग्धों के खिलाफ दर्ज कराई थी।

एसआईटी सभी 12 एफआईआर की जांच कर रही है। अधिकारियों ने पाकिस्तान और अमेरिका में निर्मित गोलियां भी बरामद कीं, जो हिंसा में संभावित बाहरी लोगों की संलिप्तता का संकेत देती हैं। आरोपियों में बर्क और इकबाल सहित 37 नामजद व्यक्ति हैं। इसके अलावा, मामले में 3,75 अज्ञात व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया है।

राजधानी में 2 दिवसीय बॉडीबिल्डिंग मुकाबला,22 और 23 फवरी को

लखनऊ। लखनऊ में 2 दिवसीय बॉडीबिल्डिंग फेडरेशन कप का आयोजन किया जा रहा है। संबंधित कार्यक्रम को लेकर इंडियन बॉडीबिल्डर फेडरेशन ने प्रेस वार्ता किया। प्रेस को संबोधित करते हुए यूपी बॉडीबिल्डिंग एंड फिटनेस एसोसिएशन के अध्यक्ष साजिद अहमद कुरैशी ने बताया कि यह 14 वां फेडरेशन कप है जो 22 और 23 फरवरी को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित किया जा रहा है। साजिद अहमद कुरैशी ने बताया कि यह बॉडी बिल्डिंग अपने आप में अनोखा कार्यक्रम होगा। इसमें देश के शीर्ष पुरुष और महिला बोडीबिल्डर्स, एथलीट के लिए एक भव्य मंच तैयार किया गया है। फेडरेशन कप में देश भर के 300 से अधिक एथलीट के बीच में महामुकाबला देखने को मिलेगा। इस मुकाबले में हिस्सा लेने वाले सभी बॉडी बिल्डर को सम्मानित किया जाए। वहीं विजेता को 10 लख रुपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके बुलेट समेत अन्य महत्वपूर्ण इनाम वितरित किये जायेंगे। इंडियन बॉडीबिल्डर फेडरेशन के महासचिव चेतन एम पठारे ने कहा कि युवा बॉडीबिल्डर के लिए यह मंच बेहद उपयोगी है। जो युवा बॉडीबिल्डर है वो मंच के माध्यम से अपने मजबूत शरीर और शक्ति को प्रस्तुत करके अपना लोहा मनवा सकते हैं। युवाओं के भविष्य को ऊंचाइयों तक ले जाने में ये मंच चार चांद लगाएगा । मुकाबले में हिस्सा लेने वाले प्रत्येक बॉडीबिल्डर की डाइट समेत तमाम सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है।

जीरो टारलेंस शासन में जुगाड़ की दम पर 300 किमी की दूरी पर दोहरा चार्ज

लखनऊ। राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय ने ऊर्जा मंत्री और प्रमुख सचिव ऊर्जा पत्र लिखकर नियम विरूद्व एक उप निदेशक को तीन सौ किलोमीटर की दूरी का अतिरिक्त चार्ज दिलाये जाने का विरोध किया है। श्री पाण्डेय ने प्रदेश सरकार की जीरो टारलेंस नीति के तह्त इस तरह के अतिरिक्त कार्यभार को साठगांठ और भ्रष्टाचार का हिस्सा बताते हुए। तत्काल उक्त अधिकारी तथा अतिरिक्त कार्यभार दिलाने में सहयोगी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि उपनिदेशक को नियम विरूद्ध आगरा रीजन के साथ कानपुर मण्डल का अतिरिक्त चार्ज निदेशक,विशेषसचिव ऊर्जा द्वारा शासन के ऊर्जा अनुभाग-3 के पत्र संख्याआईध्886530ध2025, दिनॉक 20-02-2025,दिया गया। कानपुर रीजनल कार्यालय के उप निदेशक एल.बी.गुप्ता, 31 दिसम्बर-2024 को सेवा निवृत्त हो गये थे। कानपुर मण्डल के कर्मचारियों को माह जनवरी, 2025 का वेतन भुगतान नही किया गया जबकि उप निदेशक जयदीप सिंह जो झॉसी मण्डल का कार्य कानपुर मण्डल के कार्यालय में ही बैठ कर देखते हैं। क्योकि झॉसी मण्डल में अभी कार्यालय नही है न ही स्टाफ है। उनको तत्काल चार्ज दे कर वेतन सम्बन्धी कार्य एवं जनहित के कार्य कराये जा सकते थे। परन्तु निदेशालय के निदेशक,शासन ने चार्ज नही दिया। जबकि जय दीप सिंह उप निदेशक ने कानपुर मण्डल कार्यालय में ही बैठ कर रीजनल झॉसी मण्डल के कर्मचारियों का वेतन आहरण वितरण समय से किया और अन्य कार्य को भी महाकुम्भ में अतिरिक्त ड्यूटी के साथ निस्तारित किया। लगभग 02 माह बाद साठ-गॉठ करके श्री सतीश चन्द्रा, उप निदेशक आगरा रीजन आगरा को दिनॉक 21 फरवरी2025 को कानपुर मण्डल का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है।

यूपी सरकार ने 5600 श्रमिकों को रोजगार के लिए इजरायल भेजा : अनिल राजभर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने शुक्रवार को विधानसभा में बताया कि आउटसोर्सिंग ऑफ मैन पावर के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था की गयी है जिसके तहत 5,600 श्रमिकों को सफलतापूर्वक इजराइल भेजा गया है, तथा 5,000 अतिरिक्त श्रमिकों को भेजे जाने की प्रक्रिया चल रही है। राजभर ने यह भी बताया कि कहा कि विगत दो वर्षों में सेवायोजन कार्यालय में रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों (इंटर, बीए, डिप्लोमा, बीटेक, एमटेक, पीएचडी की संख्या 5,68,062 है और विगत दो वर्षों (एक अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2024 तक) में सेवा कार्यालयों द्वारा रोजगार मेलों के माध्यम से 475510 अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र में रोजगार हेतु चुना गया है। विधानसभा में बजट सत्र के चौथे दिन शुक्रवार को प्रश्नकाल में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ सदस्य प्रभु नारायण यादव के प्रश्न के उत्तर में राजभर ने बताया कि राज्य सरकार ने रोजगार के अवसरों के लिए 5,600 श्रमिकों को सफलतापूर्वक इजराइल भेजा है तथा 5,000 अतिरिक्त श्रमिकों को भेजे जाने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा, इजराइल में हमारे श्रमिक राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। सरकार की रोजगार पहलों को आगे बढ़ाते हुए राजभर ने सरकार समर्थित संस्था राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के साथ सहयोग की घोषणा की। उन्होंने बताया कि राज्य विदेशों में रोजगार के लिए आवेदन की सुविधा दे रहा है, जिसमें जर्मनी में 5,000 नर्सों की मांग शामिल है, जिनका पैकेज 2.5 लाख रुपये प्रति माह है। राजभर ने बताया कि वर्तमान में जापान में 12,000 केयरगिवर कर्मचारियों की मांग है, जिनका वेतन पैकेज 1.25 लाख रुपये प्रति माह है। उन्होंने पुष्टि की कि आवेदनों पर कार्रवाई की जा रही है और राज्य इस मांग को पूरा करने के लिए कुशल कर्मचारियों को भेजने के वास्ते सक्रिय रूप से कदम उठा रहा है। प्रभु नारायण यादव ने श्रम मंत्री से प्रश्न किया था कि प्रदेश के बेरोजगारों को रोजगार दिलाने हेतु श्रम विभाग द्वारा वर्तमान में कौन सी प्रमुख योजनाएं प्रचलित हैं? उन्होंने यह भी जानना चाहा कि प्रदेश में विगत दो वर्षों से (2022-2023, 2023-2024) शिक्षित बेरोजगारों (इण्टर, बी.ए., एम.ए., डिप्लोमा, बी.टेक., एम.टेक., पी.एच.डी.) की संख्या कितनी है तथा विगत दो वर्षों में श्रम विभाग द्वारा कितने लोगों को नौकरी दिलाई गई है? यदि नहीं, तो क्यों? श्रम मंत्री राजभर ने बताया कि सेवायोजन विभाग ने रोजगार की छूट, अभ्यर्थियों के लिए रोजगार मेलों के आयोजन, विदेश में रोजगार, सेवा मित्र व्यवस्था, करियर काउंसलिंग और आउटसोर्सिंग ऑफ मैन पावर के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था की है।

संक्षिप्त समाचार

अखिलेश को भाजपा का फोबिया हो गया है, सपा प्रमुख के गंगाजल वाले बयान पर केशव प्रसाद मौर्या का पलटवार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती पर निशाना साधते हुए कहा कि ये तीनों पार्टियां एक ही थाली के चट्टे- बट्टे हैं। वहीं संभल में हुई हिंसा के दोषियों पर कार्रवाई को लेकर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी दोषी होगा सबपर कार्यवाही होगी। इसी कड़ी में चार्जशीट दाखिल हो गई है। इसके अलावा सपा प्रमुख अखिलेश यादव के गंगाजल वाले बयान पर केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि अखिलेश को भाजपा का फोबिया हो गया है।

अधिवक्ता संसोधन बिल वापस लेने को लेकर वकीलों का प्रदर्शन

लखनऊ। लखनऊ बार एसोसिएशन के वकीलों ने शुक्रवार को हजरतगंज में जमकर हंगामा किया। अधिवक्ता गांधी प्रतिमा पर एकत्र हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। विधानसभा जाने वाली सड़क पर बैरिकेडिंग कर वकीलों को रोक दिया गया। अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 का विरोध कर रहे थे। वकीलों का कहना है कि अधिवक्ता संशोधन बिल-2025 वकीलों के अधिकारों का हनन करेगा। उनकी स्वतंत्रता को सीमित कर देगा। उन्होंने सरकार से इस प्रस्ताव को जल्द से जल्द वापस लेने की मांग की है। प्रदर्शन कर रहे वकीलों ने जब विधानसभा की ओर कूच करने की कोशिश की, तो पुलिस ने उन्हें बैरिकेडिंग कर रोक दिया। इस दौरान धक्का-मुक्की भी हुई। हालांकि, पुलिस ने स्थिति संभाल ली और वकीलों को समझाने की कोशिश की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा बढ़ाई गई है। शांति भंग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस दौरान वकील और पुलिसकर्मी काफी देर तक आमने-सामने रहे और नारेबाजी चलती रही। लखनऊ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश प्रसाद तिवारी (एडवोकेट), महामंत्री बृजभान सिंह भानु (एडवोकेट), संयुक्त मंत्री आशीष राय (एडवोकेट) समेत सेंट्रल बार एसोसिएशन और अन्य सैकड़ों की संख्या में वकील प्रदर्शन में मौजूद रहे।

सीएम के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ पुलिस ने मुख्य मंत्री के खिलाफ अभद्र टिप्पणी और सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया। उसने 19 फरवरी को मुख्यमंत्री से जुड़ा एक आपत्तिजनक टिप्पणी और वीडियो अपने फेसबुक अकाउंट पर जारी किया था। जिसके बाद पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए मामला दर्ज किया था। युवक खुद को मुस्लिम लीग का महानगर उपाध्यक्ष बताता है। ठाकुरगंज इंस्पेक्टर श्रीकांत राय ने बताया कि 19 फरवरी को एक फेसबुक अकाउंट पर मुख्यमंत्री को लेकर गलत बयानबाजी और विडियो जारी हुआ था। जिसकी जानकारी होते ही फेसबुक अकाउंट चलाने वाले के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।शुक्रवार दोपहर आरोपी वीडियो और अभद्र टिप्पणी कर माहौल खराब करने वाले दुबग्गा जेहटा निवासी सलमान मंसूरी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह मुस्लिम लीग का महानगर उपाध्यक्ष है। वह अपने धर्म के प्रचार के लिए यह सब कर रहा है। आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेजा गया।

ढीठ हो चुके हैं अधिकारी: मानवेन्द्र

लखनऊ। रायबरेली के शिक्षक को वेतन न देने के मामले में विधान परिषद सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने कड़ा रुख दिखाया है। उन्होंने कहा अधिकारी बहुत अधिक ढीठ हो चुके हैं। 25 फरवरी को माध्यमिक शिक्षा निदेशक और रायबरेली के जिला विद्यालय निरीक्षक को तलब किया गया है।विधान परिषद सदस्य ध्रुव त्रिपाठी ने यह मामला उठाया था। रायबरेली के वासी नकवी नेशनल इंटर कॉलेज में शिक्षक प्रदीप कुमार का वेतन रोक दिया गया है। कई बार पीठ से इस मामले में जवाब देने के निर्देश दिए गए थे।

जेल में बंद कैदियों ने किया महाकुंभ स्नान

लखनऊ । गोंडा जिले और अयोध्या मंडल की जेल सहित प्रदेश की कई जेलों के कैदियों ने आज शुक्रवार को महाकुंभ स्नान किया। कैदियों के लिए महाकुंभ से जल लाया गया था जहां पर सभी ने पूजा-पाठ करने के बाद स्नान किया। इस संबंध में कारागार मंत्री ने आदेश दिया था जिस पर जेल में ही कैदियों के स्नान के लिए महाकुंभ के जल की व्यवस्था की गई।जेल में सामूहिक स्नान के लिए एक बड़े से हौद में महाकुंभ का जल भर दिया। जहां पर कैदियों ने पूजन किया और आरती उतारी फिर स्नान किया।गोंडा जेल के अधीक्षक अपूर्व व्रत पाठक के मुताबिक शासन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में जिला कारागार गोंडा में बंदियों को महाकुंभ के जल से सामूहिक स्नान कराया गया है। महाकुंभ के जल से स्नान करने के बाद बंदियों के चेहरे पर प्रसन्नता थी।

बीटेक स्टूडेंट ने किया सुसाइड

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के बख्शी का तालाब क्षेत्र में बीटेक सेकेंड ईयर के स्टूडेंट ने हॉस्टल में सुसाइड कर लिया। मृतक मऊ के मुबारक पुर घोसी का रहने वाला था। घटना शुक्रवार सुबह की है। उसकी आज प्रैक्टिकल परीक्षा होनी थी। सुबह 8 बजे जब साथी छात्रों ने उसके कमरे का दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद छात्रों ने हॉस्टल मालिक और पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़ा तो अजय छत के पंखे से रस्सी के सहारे लटका मिला। पुलिस ने शव को नीचे उतारा और परिजनों को सूचना दी। फॉरेंसिक टीम ने मौके की जांच की। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने छात्र का मोबाइल और लैपटॉप जब्त कर लिया है। इंस्टीट्यूट के अनुसार अजय पढ़ाई में तेज छात्र था। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

लोहा चोरी के आरोप में 2 गिरफ्तार, कंपनी के ही कर्मचारियों ने की वारदात

लखनऊ। **लखनऊ के बंथरा क्षेत्र में कानपुर एलिवेटेड रोड के** निर्माण कार्य से जुड़ा एक बड़ा मामला सामने आया है। पीएनसी कंपनी के ही कर्मचारियों ने ढाई-ढाई टन वजन के दो ग्रिलेज बीम चोरी कर लिए। कंपनी के लाइजन ऑफिसर सर्वजीत सिंह ने बताया कि 9 फरवरी को यह चोरी हुई थी। जांच में पता चला कि कंपनी के कर्मचारी किशन गुप्ता, सर्वेश सिंह और रजब ने मिलकर बीम चोरी किए। इन्होंने चोरी का सामान अहिमा मऊ मुर्गी मंडी के पास स्थित इमरान कबाड़ी को बेच दिया। खोजबीन के दौरान किशन गुप्ता और सर्वेश सिंह को एक ग्रिलेज बीम के साथ पकड़ा गया। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी हाइड्रा की मदद से बीम को ट्रेलर में लोड करके ले गए थे। पुलिस ने ट्रेलर को भी जब्त कर लिया है।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

खेल कूद तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

खबर श्रावस्ती उत्तर प्रदेश रिपोर्ट देवी पाटन मंडल ब्यूरो प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती राजकीय महामाया महाविद्यालय, श्रावस्ती क्रीड़ा महोत्सव प्राचार्य डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।जिसका भव्य उद्घाटन विधायक श्रावस्ती के सुपुत्र अवधेश कमार पाण्डेय व भन्ते यू ओ वाथा नै संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन व मां सरस्वती जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया। इसके पश्चात् अतिथियों का स्वागत कालेज प्राचार्य डॉ धर्मेन्द्र गुप्त ने किया। कालेज की छात्राओं ने बेहतरीन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर परेड की सलामी मुख्य समागतों ने लिया। भन्ते यू ओ वाथा ने मशाल जलाकर क्रीड़ा महोत्सव की घोषणा की। सर्वप्रथम सौ मीटर की दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन एस डीएम इकौना ओमप्रकाश के नेतृत्व में हुआ। जिसमें 100 मीटर बालक वर्ग में आकाश प्रथम, सुधाकर शुक्ला द्वितीया तथा रमन शुक्ला तृतीय स्थान पर रहे। वहीं बालिका वर्ग में 100 मीटर में उषा देवी प्रथम, रागिनी द्वितीय तथा

बौद्ध भिक्ष ने कहा कि जीवन में खेल बहुत ही आवश्यक है, खेल खेलने से व्यक्ति स्वस्थ वाले रोग रहता है। वहीं उप जिलाधिकारी इकौना ने कहा कि जीवन में खेल का सबसे अधिक महत्व है। जो भी व्यक्ति चाहे जिस खेल में अगरणी होता है। उसका जीवन में उसे अवश्य लाभमिलता है। सभा अध्यक्ष प्राचार्य डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा कि शिक्षा में खेल का भी महत्व है, सर्वांगीण विकास में इस प्रक्रिया में शामिल होना अत्यंत आवश्यक है, बच्चों का छात्राओं का सही तरीके से शारीरिक विकास सुनिश्चित करना भी शिक्षा का एक उपागम है। इस अवसर पर क्रीड़ा प्रभारी डॉ उपेंद्र कुमार सोनी व डॉ आशुतोष मिश्र ने अतिथियों का बैज लगाकर स्वागत किया। इस मौके पर सर्वजीत कैराती, फारूख अहमद, मनोज द्विवेदी, प्रभारी निरीक्षक, श्रावस्ती, ओम प्रकाश द्विवेदी, डॉ हैदर अली, सत्यप्रकाश वर्मा, प्रवीण बौद्ध, डॉ अंशरानी, निकिता वर्मा, नेहा यादव और बहुत से गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

यूसुफ मिंटो और हम वेलफेयर सोसायटी की तरफ से छात्रों को स्टेशनरी और भोजन वितरित किया

यूसुफ सिटी रिपोर्टर

हम वेलफेयर सोसाइटी ने वंचित छात्रों के समर्थन के लिए सनराइज इंटर कॉलेज, मंजूरगढ़ी गेट में एक धर्मार्थ कार्यक्रम का आयोजन किया। एनजीओ ने किताबें, नोटबुक, पेंसिल, ड्राइंग किताबें और रंगों सहित स्टेशनरी किट वितरित कीं। सामाजिक

कार्यकर्ता यूसुफ खान द्वारा उपलब्ध कराए गए फल और बिस्कुट के साथ भोजन के पैकेट भी बच्चों को दिए गए। उपस्थित सदस्य तनवीर, राहिला, फेहमिनाहम वेलफेयर सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ. दीबा अबरार ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा, "प्रत्येक बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच का हकदार है। हमारे प्रयासों का लक्ष्य जरूरतमंद लोगों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है।" इस कार्यक्रम ने छात्रों को सफल होने में मदद करने के लिए समाज की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला ..!

ट्रक की ठोकर से बाइक पर बैठी महिला सड़क पर गिरी, ट्रक ने रौंदा हुई मौत

खबर श्रावस्ती उत्तर प्रदेश रिपोर्ट तहसील संवाददाता वीरेंद्र कुमार वर्मा

श्रावस्ती के थाना गिलौला कस्बा क्षेत्र अंतर्गत गिलौला रोडवेज बस अड्डे के पास अपने बेटे ननकउ उर्फ श्रीधर व छोटी बेटी मीना

के साथ के साथ बेटी के घर जन्म दिवस के मौके पर कार्यक्रम में आई थी। इसी दरमियान बाइक पर बैठी 55 वर्षीय महिला जगराना पत्नी अमरीका निवासी थाना हरदत्त नगर गिरन्ट के बैदौरा गांव का मजरा भटवा को ट्रक ने ठोकर मार दी। ट्रक की ठोकर लगते ही महिला सड़क पर गिर गई जिसे ट्रक ने रौंद दिया और उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना पाते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर ले लिया और महिला के शव का पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भिनगा भेज कर कार्यवाही शुरू की।

क्रिकेट टुर्नामेन्ट का जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी ने फीता उद्घाटन किया

रिपोर्ट नीरज कुमार

कोंच(जालौन) आज स्थानीय मथुरा प्रसाद महाविद्यालय के विशाल परिसर मे डी आई फोरटी किर्केट और अंशुल् कुशवाहा डीजे(एके) के संयुक्त तत्वाधान मे स्टार किर्केट टुर्नामेंट का आयोजन किया गया आज इस टुर्नामेंट के शुभारम्भ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी विशिष्ट अतिथि नगर पालिका परिषद कोंच के सभासद और बसपा नगर अध्यक्ष महेंद्र सिंह कुशबाहा मौजूद रहे अतिथियों का इस किर्केट टुर्नामेंट के आयोजक अंशुल कुशबाहा (एके) सागर अग्निहोत्री सचिन पाटकार राम आदर्श यादव प्रशांत श्रीवास्तव मृदुल तनिस्क आदित्य राजा ऐरा मांही अंकित ऋषि विकास शिवम सुमित आदिल राज अनिकेत भूरे हरीश आदि ने माला पहना कार स्वागत सम्मान किया इस के बाद अतिथियो द्वारा इस

किर्केट् टूर्नामेंट का फीता काटकर विधि वत उद्घाटन कर शुभारम्भ किया इस अवसर पर बोलते हुये जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी ने कहा की इस तरह के आयोजन होना अच्छी बात है खेल को अच्छी भावना के साथ खेला जाना चाहिए खेलो से जहाँ शरीर स्वस्थ्य रहता है और मन भी स्वस्थ्य रहता है सभासद महेंद्र सिंह कुशबाहा ने कहा की इस टुर्नामेंट से खेलो की तरफ युवाओ का ध्यान जाता है इस तरह के खेल जीवन मे अच्छे साबित होते है खिलाडी को खेल मे सदेव अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए आज इस किर्केट टुर्नामेंट मे पहले दिन पड़री की टीम और दबोह की टीम का मेच हुआ जिसमे पडरी की टीम विजेता रही जिसके बल्लेबाज करण नागर ने लगा तार तीन छक्के लगाकर शानदार प्रदर्शन किया इस प्रदर्शन पर सभासद महेंद्र सिंह कुशबाहा ने 51 सो रुपये नगद पुरस्कार देकर करण नागर की होसला अफजाई की और विजेता टीम को नगद पुरस्कार और शील्ड देकर सम्मानित किया इस अवसर पर एम पी कालेज के प्राचार्य विजय विक्रम सिंह प्रोफेसर मनोज तिवारी बड़े बाबू सुनील कुमार निरंजन सहित तमाम लोग मौजूद रहे

पुलिस चौकी हरबंश पुर में पीस कमेटी की बैठक

खबर श्रावस्ती उत्तर प्रदेश रिपोर्ट देवी पाटन मंडल ब्यूरो प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती थाना क्षेत्र हरदत्तनगर गिरंट के अन्तर्गत पुलिस चौकी हरबंश पुर में आगामी त्योहार होली को लेकर थानाध्यक्ष

हरदत्तनगर गिरंट जयहरी मिश्रा कि अध्यक्षता में होली त्यौहार व महाशिवरात्रि को लेकर शान्तिसुरक्षा ब्यवस्था कायम रखने के लिए बैठक किया। बैठक में उपस्थित लोगों से थानाध्यक्ष ने अपील किया कि आने वाले त्यौहार को भाई चारे से मनाते किसी प्रकार की अव्यवस्था न होने दें तथा कोई अव्यवस्था फलाये तो चिन्हित करके स्थानीय पुलिस को सूचना दे।और उसब्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जा सके महाशिवरात्रि व होली मिलन शान्ति से मनायें । इस मौके पर चौकी प्रभारी हरबंशपुर घनश्याम गुप्ता, दीवान दिलीप कुमार, राधेश्याम सिंह, जयशीष , रमेशकुमार यादव पी आर डी , ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य मौजूद रहे ।

मा० कारागार मन्त्री उ०प्र० शासन के निर्देशानुक्रम में आज जिला कारागार उरई में निरूद्ध बंदियों को संगम प्रयागराज के पवित्र जल से जेल के अन्दर अमृत स्नान कराया गया

रिपोर्ट नीरज कुमार

उरई जालौन ,,कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाये उ०प्र० लखनऊ से प्राप्त निर्देशों के क्रम में जेल प्रशासन द्वारा विशेष वाहक भेज कर दिव्य

महाकुंभ संगम प्रयागराज से पवित्र जल मंगाते हुए जिला कारागार उरई पर पूजा अर्चना, मन्त्रोच्चार इत्यादि विधि विधान से कलश स्थापना की गयी एवं बंदियों द्वारा भजन कीर्तन इत्यादि का कार्यक्रम किया गया। कारागार की प्रत्येक बैरकों में निरूद्ध बंदियों के स्नान की व्यवस्था हेतु पानी के टैंक को फूलमाला इत्यादि से सजाया गया इसके उपरांत संगम प्रयागराज से लाये गये महाकुंभ के पवित्र जल को टैंक में मिलाया गया। कतारवद्ध होकर बंदियों ने एक एक करके शान्ति व हर्षोल्लास के साथ अमृत स्नान किया। अमृत स्नान के पश्चात बंदियों के अन्दर सकारात्मकता की लहर दौड़ गयी और समस्त कारागार परिसर ओंमकार और हर हर गंगें के जयकारों से गूंज उठा। ऐसा सकारात्मक माहौल बंदियों को मानसिक शांति प्रदान करते हुए उनके द्वारा पूर्व में कारित बुरे कृत्यों के प्रति पश्चाताप की भावना तथा भविष्य में कभी कोई गलत कार्य न करने की प्रेरणा से ओत प्रोत हो गया। अमृत स्नान के उपरांत कारागार में निरूद्ध समस्त बंदियों द्वारा कारागार प्रशासन द्वारा किये गये प्रयास के प्रति कृतज्ञता / प्रशंसा व्यक्त की गयी। इस अवसर पर जेल अधीक्षक नीरज देव, कारापाल प्रदीप कुमार, कारागार चिकित्साधिकारी राहुल वर्मन, उप कारापाल अमर सिंह, अन्य कारागार स्टाफ, व समस्त बंदीगण उपस्थित रहे। अमृत स्नान का कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

अधिवक्ता श्रद्धालुओं का महाकुंभ मेला हेतु एक जत्था हुआ रवाना

जिला संवाददाता राकेश गुप्ता

शामली कैराना अधिवक्ता श्रद्धालुओं का प्रयागराज महाकुंभ जाने के लिए श्रद्धालुओं का एक जत्था कैराना से रवाना हुआ बता दे कि इस वर्ष 2025 के प्रथम माह जनवरी से प्रयागराज में महाकुंभ मेले का आयोजन हो रहा है जिसमें विश्व भर से श्रद्धालुओं का स्नान करने के लिए आना–जाना हो रहा है इसी उपलक्ष्य में जिला बार एसोसिएशन कैराना के अधिवक्ताओं का एक जत्था रवाना हुआ सभी अधिवक्ता गण प्रयागराज महाकुंभ स्नान करेंगे उसके उपरांत अयोध्या और काशी विश्वनाथ के भी दर्शन करेंगे जिसमें मुख्य अतिथि माननीय जनपद न्यायाधीश शामली विकास कुमार के द्वारा बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया सभी ने पुष्प वर्षा के साथ सभी अधिवक्ता श्रद्धालुओं को रवाना किया इस दौरान मुख्य रूप से अपर जिला एवं शस्त्र न्यायाधीश अवधेश कुमार पांडे अपर जिला एवं शस्त्र न्यायाधीश श्रीमती सीमा वर्मा अपर जिला एवं शस्त्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट श्रीमती रितु नागर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रशांत कुमार सिविल जज आशीष कंबोज ईशा चौधरी अंकित कुमार अमर प्रसाद व शिवानी चौधरी तथा डीजीसी संजय चौहान में अन्य अधिवक्तागण श्रद्धालु मौजूद रहे

एसपी डा दुर्गेश कुमार महाशिव रात्रि पर्व को लेकर देवगाँव पहुंचे

महाशिव रात्रि पर्व पर परमहँस आश्रम का किया निरीक्षण

कोंच(जालौन) जिले के एसपी डा दुर्गेश कुमार महाशिव रात्रि पर्व को लेकर होने वाले धार्मिक आयोजन को लेकर आज

कोंच सर्किल के थाना कैलिया मे पड़ने वाले देवगाँव पहुंचे और श्री 1008 श्री श्री बद्री दास परम हंस के आश्रम पर बने मन्दिर को देखा एसपी डा दुर्गेश कुमार ने महाशिव रात्रि पर्व पर देव नगरी देवगाँव मे होने वाले मेले को लेकर आश्रम प्रबन्ध कमेटी के लोगो से जानकारी ली पुलिस अधीक्षक ने मन्दिर परिसर के आस पास भी कई जगहो को देखा और मँदिर कमेटी के लोगो द्वारा बताया गया है की महाशिव रात्रि को लेकर धार्मिक आयोजन होते है और महाशिव रात्रि पर यहाँ मन्दिर भंडारा आदि होता है और महाराज जी के दर्शन करने के लिये सुबह से शाम तक भारी भीड़ कोंच सहित कई गाँवो से आती है एसपी डा दुर्गेश कुमार ने कहा की महाशिव रात्रि पर्व पर मेला परिसर मे आने जाने वाले भक्तो के लिए कोई परेशानी न हो साथ ही वाहनो की पार्किंग कर दुर खड़े करवाये जाए मेला क्षेत्र मे किसी प्रकार की आवागमन मे दिक़्क़त न हो इस लिए पुलिस बल तेनात रहेगा साथ ही जाम आदि न लगे एसपी ने दिशा निर्देश दिये।

62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा द्वारा निःशुल्क मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन

खबर श्रावस्ती उत्तर प्रदेश रिपोर्ट देवी पाटन मंडल ब्यूरो प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमान्डेंट 62 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) भिनगा के निर्देशन में सहायक

कमांडेंट (चिकित्साधिकारी) डॉ. कल्पना महादेव पाटील द्वारा 'एफ़' समवाय गुज्जर गौरी के कार्यक्षेत्र भचकाई गाँव में निःशुल्क मानव चिकित्सा (OPD) शिविर का आयोजन किया गया। इस चिकित्सा शिविर में रावलपुर, भचकाई और बनकटी गाँव के 78 ग्रामीणों को चिकित्सीय परामर्श दिया गया एवं निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। इस अवसर पर डॉ. कल्पना महादेव पाटील ने ग्रामीणों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और गंभीर बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। इस दौरान 'एफ़' समवाय प्रभारी उप निरीक्षक लाब्जांग सोनम, सहायक उप निरीक्षक (फार्मासिस्ट) आलोक कुमार यादव, मुख्य आरक्षी हरेन्द्र कुमार व् अन्य जवान उपस्थित रहे।62वीं वाहिनी एसएसबी द्वारा समय–समय पर इस प्रकार के चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर सीमावर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी लाभ पहुँचाने का कार्य किया जा रहा है। इस पहल से न केवल ग्रामीणों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो रही है, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

चितरंगी न्यायालय में सभी अधिवक्ता रहे हड़ताल पर

क्यूं न लिखूं सच मानश मिश्रा

चितरंगी न्यायालय के सभी अधिवक्ताओं द्वारा आज हड़ताल पर जाने से सभी कोर्ट में कामकाज पूरी तरह से ठप रहा विदित हो कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ एवं जिलाअधिवक्ता संघ जबलपुर के द्वारा दिनांक 21 फरवरी 2025 को न्यायालय कार्य से विरत रहने के संबंध में लिए गए निर्णय के समर्थन में अधिवक्ता संघ चितरंगी के आह्वान पर तहसील चितरंगी जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश के सभी अधिवक्ता साथियों के द्वारा न्यायालय कार्य से विरक्त रहते हुए केंद्र शासन के द्वारा लाए जा रहे मनमानी पूर्ण रवैया के विरुद्ध अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 के विरोध में अपना समर्थन मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ को किया गया जिसमें आज दिनांक 21 फरवरी 2025 को न्यायालय अपर कलेक्टर सिंगरौली का लिंक कोर्ट चितरंगी में भी नियत था जिसमें तहसील चितरंगी के कोई भी अधिवक्ता के द्वारा प्रकरणों में पैरवी नहीं की गई इसी प्रकार से न्यायालय एसडीओ चितरंगी न्यायालय तहसीलदार चितरंगी न्यायालय नया तहसीलदार मौहरिया एवं कोरावल के न्यायालय कार्यों से विरत रहकर न्यायालय कार्य का बहिष्कार किया गया जिसमें अपर कलेक्टर पीके सेन गुप्ता एवं न्यायालय एसडीओ सुरेश जादव तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों की कोर्ट में सन्नाटा छाया रहा इस प्रकार से मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के आह्वान पर अधिवक्ता संघ चितरंगी की ओर से न्यायालय कार्य का बहिष्कार करते हुए केंद्र सरकार की ओर से ला या जा रहे अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 का चितरंगी अधिवक्ताओं द्वारा पुरजोर विरोध किया।

'अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन विकासखंड ओड़गी की अनूठी पहल,

पहली बार चाय पानी की निशुल्क व्यवस्था त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 के अवसर पर' विकासखंड ओड़गी के अधिकारी कर्मचारी फैडरेशन के द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 के अवसर पर चाय पानी की निशुल्क व्यवस्था कर एक अनूठी पहल की जा रही है जो कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान सराहनीय कार्य है इससे मतदान प्रक्रिया में लगे सभी अधिकारी कर्मचारी हर्ष व्यक्त करते हुए फेडरेशन ओड़गी को धन्यवाद दे रहे हैं। रिटर्निंग अधिकारीऔर उनके सभी अधिकारियों के इस सराहनीय पहल से सभी अधिकारी कर्मचारी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं इस पहल से त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव प्रक्रिया सहजता से सफलतापूर्वक निष्पादन होने में संभवतः कोई दिक्कत नहीं आएगी ।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

अकमल ने पाकिस्तान टीम को लताड़ा

चैंपियंस ट्रॉफी छोड़ जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज खेलने को कहा

कराची । कामरान ने न्यूजीलैंड के परिपक्व क्रिकेट के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड शुरू में जूझता दिख रहा था। लेकिन आप उनकी परिपक्वता को देखें कि उन्होंने समय लिया।' पाकिस्तान के लिए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरूआत बेहद खराब रही। टीम को अपने घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 60 रन से हार का सामना करना पड़ा। न तो पाकिस्तान के गेंदबाज चले और न ही बल्लेबाजों ने दम दिखाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम ने 320 रन बनाए। जवाब में मेजबान टीम 260 रन पर सिमट गई। इस हार के बाद पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर कामरान अकमल ने मोहम्मद रिजवान एंड कंपनी को उनके खराब प्रदर्शन के लिए फटकार लगाई है। एआरवाई न्यूज से बातचीत में कामरान ने टीम पाकिस्तान को लताड़ लगाई और उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अयोग्य बताया। 'जिम्बाब्वे और आयरलैंड से मैच खेलें' कामरान ने कहा, 'जिम्बाब्वे और आयरलैंड की सीरीज हो रही है, उधर जाएं। वहां जाकर खेलें और अगर हम वहां जीतते हैं तो हम चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लायक होंगे। यह पाकिस्तान क्रिकेट का हाल है। पिछले छह-सात वर्षों में हमारे क्रिकेट का स्तर काफी गिर गया है।' एक समय न्यूजीलैंड की टीम 73/3 के स्कोर पर संघर्ष कर रही थी, लेकिन विल यंग और टॉम लाथम के शतकों ने उन्हें 50 ओवरों में 320/5 तक पहुंचने में मदद की। अकमल ने न्यूजीलैंड की प्रशंसा की कामरान ने न्यूजीलैंड के परिपक्व क्रिकेट के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड शुरू में जूझता दिख रहा था। लेकिन आप उनकी परिपक्वता को देखें कि उन्होंने समय लिया, स्ट्राइक रोटेट की और पूरा नियंत्रण मिलने के बाद ही आक्रामक बल्लेबाजी शुरू की। एक परिपक्व टीम यही करती है। वे हमेशा एक बैकअप योजना के साथ आते हैं। उनके बल्लेबाज रचिन रवींद्र चोटिल हो गए और यहां तक कि उनकी जगह चुने गए विल यंग ने भी शतक बनाया। रिजवान ने स्वीकार की गलती मैच के बाद पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने स्वीकार किया कि टीम ने कीवी के खिलाफ गलतियां कीं। रिजवान ने कहा, 'उन्होंने अच्छा लक्ष्य बनाया। हमें इसकी उम्मीद नहीं थी। हम 260 के आसपास कुछ देख रहे थे। हमने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की और सभी रणनीति का इस्तेमाल किया, लेकिन उन्होंने अच्छा खेल दिखाया। हम पिच की स्थिति देखते हैं, पहले पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी, लेकिन जब विल यंग और लाथम जैसे बल्लेबाज खेल रहे हों तो यह मायने नहीं रखता। आखिर में हमने वही गलती की जो हमने लाहौर में की थी और उन्होंने इस मौके को भुनाया।'

ट्रंप प्रशासन की ओर से खर्चों में कटौती के एलान के बाद नए तेवर में दिखे एलन मस्क, लहराया चेनशॉ

नई दिल्ली । एलन मस्क, जिन्होंने अमेरिका में राष्ट्रपति चुनावों के दौरान संघीय एजेंसियों की ओर से सरकारी खर्च में कटौती करने की बात कही थी, ने गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सत्ता में वापस आने का जश्न मना रहे लोगों के सामने मंच पर एक चेनशॉ का प्रदर्शन किया। आइए इस बारे में और जानें। एलन मस्क, जिन्होंने अमेरिका में राष्ट्रपति चुनावों के दौरान संघीय एजेंसियों की ओर से सरकारी खर्च में कटौती करने की बात कही थी, ने गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सत्ता में वापस आने का जश्न मना रहे लोगों के सामने मंच पर एक चेनशॉ का प्रदर्शन किया। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिली- जिन्होंने वित्तीय अनुशासन को बहाल करने के अपने प्रयास के प्रतीक के रूप में चेनसॉ का उपयोग किया है- ने कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस (सीपीएसी) में उत्साहित भीड़ के समक्ष मस्क को यह पावर टूल सौंपा। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क अपने समर्थकों के बीच चेनसॉ लहराने के दौरान धूप का चश्मा, बेसबॉल टोपी और एक बड़ा हार पहने हुए थे। उनहोंने मंच पर ऊपर से नीचे तक घुमाया और फिर इसे एक तरफ रख दिया और घोषणा की कि वह इस मीम को जी रहे हैं। मस्क ने लागत में कटौती के अपने प्रयासों के बारे में कहा, हम अच्छे काम करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन साथ ही, आप जानते हैं, इसे करने में हमें मजा भी आता है। अब तक के अपने कार्यकाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सबसे गरीब देशों को अमेरिकी सहायता पहुंचाने वाली एजेंसी यूएसएड को समाप्त करने का एलान किया है और हजारों संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है।

आईसीसी टूर्नामेंट और शमी एक-दूजे के लिए बने', भारतीय पेसर का मुरीद हुआ यह विश्व विजेता खिलाड़ी

दुबई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा, 'आईसीसी टूर्नामेंट और मोहम्मद शमी- यह एक बेहतरीन प्रेम कहानी है। ऐसा लगता है कि दोनों एक-दूजे बने हैं। जब भी वह आईसीसी टूर्नामेंट में खेलते हैं, तो वह एकदम अलग स्तर के गेंदबाज नजर आते हैं।' भारत ने बांग्लादेश पर शानदार जीत दर्ज करके आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अपने अभियान की जोरदार शुरूआत की है। इस मैच के बाद, भारत के पूर्व क्रिकेटर और 2011 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे पीयूष चावला ने शुभमन गिल की जिम्मेदारी भरी पारी और मोहम्मद शमी की धारदार गेंदबाजी और अन्य महत्वपूर्ण पलों को लेकर अपने विचार रखे। भारत को अब चैंपियंस ट्रॉफी में 23 फरवरी को पाकिस्तान का सामना करना है। यह मैच भी दुबई में खेला जाएगा। पाकिस्तान के लिए यह करो या मरो वाला मुकाबला है। गिल की शतकीय पारी की पीयूष ने सराहना की पीयूष ने कहा, 'यह एक प्रभावशाली पारी थी क्योंकि इस पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। जब आप इस तरह की विकेट पर लगभग 230 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं, तो आपको ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है, जो अंत तक टिककर पारी संभाले और ठीक यही भूमिका शुभमन गिल ने निभाई। वह इस समय अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं और जानते हैं कि कब संयम रखना है। उन्होंने जिम्मेदारी के साथ बैटिंग की। यही गुण उन्हें इस भारतीय टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाता है। वह परिस्थितियों को समझते हैं और टीम को कब क्या चाहिए, यह भी उन्हें मालूम होता है। उन्होंने कहा, 'मैच के दौरान ऐसे हालात भी बने, जब बस सिंगल और डबल्स लेकर स्ट्राइक रोटेट करने की जरूरत थी, तब उन्होंने बाउंड्री लगाने की कोशिश भी नहीं की, लेकिन स्कोर चलायमान रखा। इस तरह की समझदारी एक परिपक्व खिलाड़ी की निशानी है। अब जब वह उप-कप्तान भी हैं, तो आप उनसे इसी तरह भूमिका को अपनाने की उम्मीद करते हैं, और उन्होंने ठीक वैसा ही किया। एक समय भारत की पारी फंसी हुई लग रही थी, क्योंकि उसने कुछ विकेट खो दिए थे। लेकिन जिस तरह से उन्होंने पारी को संभाला और अंत तक टिके रहे, वो देखना बहुत ही शानदार था।' शमी की गेंदबाजी पर पीयूष चावला फिदा हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा, 'आईसीसी टूर्नामेंट और मोहम्मद शमी- यह एक बेहतरीन प्रेम कहानी है। ऐसा लगता है कि दोनों एक-दूजे बने हैं। जब भी वह आईसीसी टूर्नामेंट में खेलते हैं, तो वह एकदम अलग स्तर के गेंदबाज नजर आते हैं। आपको पता है कि वह चोट से वापसी कर रहे हैं और हाल ही में द्विपक्षीय सीरीज में उतने दमदार नहीं दिखे, लेकिन सकारात्मक संकेत यह था कि वह अपने कोटे के पूरे ओवर गेंदबाजी कर रहे थे। वह काफी बेहतर दिखाई दिए हैं। हमें अभी भी शमी का 100 प्रतिशत प्रदर्शन देखना बाकी है, लेकिन पांच विकेट लेने का कारनामा निश्चित रूप से उनके आत्मविश्वास में इजाफा करेगा। पीयूष ने कहा, 'परिस्थितियों का आकलन करना महत्वपूर्ण होता है और उसी के अनुरूप शमी ने गेंदबाजी की। उन्हें मालूम था कि अपनी सीधी सीम के साथ गेंद को कहां पिच करना है। उन्होंने छह से आठ मीटर के निशान पर लगातार गेंदें डालीं, जिससे कि उन्हें पिच से मूवमेंट मिल सके। यही कारण है कि वह नई गेंद के साथ शुरूआत में विकेट लेने में सफल रहे। उन्होंने गेंदबाजी विविधता का इस्तेमाल किया। उन्हें अच्छी तरह से छिपी हुई धीमी गेंदें फेंकते हुए देखना शानदार था।' कोहली को लेकर क्या बोले पीयूष चावला? पीयूष ने कहा, 'जब विराट बल्लेबाजी करने आए, तो उस समय ज्यादातर स्पिनर बॉलिंग कर रहे थे। स्पिनर्स को आमतौर पर वह बैकफुट पर खेलते हैं। लेकिन हाल के मैचों में, हमने उन्हें लेग स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष करते देखा है।

न्यूजीलैंड से हार के बाद पाकिस्तान को एक और झटका, आईसीसी ने इस गलती के लिए टीम को दी सजा

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा कि पाकिस्तान को निर्धारित समय में एक ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया। पाकिस्तान पर कराची के राष्ट्रीय स्टेडियम में चैंपियन्स ट्रॉफी के पहले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए बृहस्पतिवार को मैच फीस का पांच प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया। टूनार्मेंट

के मेजबान और गत विजेता पाकिस्तान को बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 60 रन से हार का सामना करना पड़ा था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा कि पाकिस्तान को निर्धारित समय में एक ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया। मैदानी अंपायर रिचर्ड केटलबोरो और शारफुद्दौला, तीसरे अंपायर जोएल विल्सन और चौथे अंपायर एलेक्स व्हार्फ ने आरोप लगाए जबकि मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने जुमार्ना लगाया और मैच फीस का पांच प्रतिशत काट लिया। पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने अपराध स्वीकार किया जिसके कारण औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के न्यूनतम ओवर गति से जुड़े अपराधों के संबंधित नियम 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुमार्ना लगाया जाता है। वर्ष 1996 के बाद पहली बार आईसीसी टूनार्मेंट की मेजबानी करते हुए पाकिस्तान को ग्रुप ए के शुरूआती मुकाबले में न्यूजीलैंड ने आसानी से हरा दिया था। रिजवान और उनकी टीम रविवार को दुबई में भारत के खिलाफ अपना दूसरा मैच खेलेगी।

अफगानिस्तान के पुरुष क्रिकेटरों को बहिष्कार करने की मांग, कप्तान शाहिदी बोले- हमने नहीं दी तवज्जो

रावलपिंडी। दक्षिण अफ्रीका के खेल मंत्री गेटन मैकेंजी ने कहा कि अगर अंतिम फैसला उनका होता तो दक्षिण अफ्रीका-अफगानिस्तान मैच निश्चित रूप से नहीं होता। कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के अपनी टीम के पहले मैच की पूर्व संध्या पर अफगानिस्तान के क्रिकेट मुकाबलों के बहिष्कार की राजनीतिक मांग को तवज्जो नहीं दी। इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के राजनेताओं ने तालिबान द्वारा महिलाओं के खेल पर प्रतिबंध और महिलाओं के अधिकारों के हनन के कारण अपने क्रिकेट अधिकारियों से

अफगानिस्तान के खिलाफ चैंपियन्स ट्रॉफी के ग्रुप मुकाबलों में नहीं उतरने का आग्रह किया। दक्षिण अफ्रीका के खेल मंत्री गेटन मैकेंजी ने कहा कि अगर अंतिम फैसला उनका होता तो दक्षिण अफ्रीका-अफगानिस्तान मैच ह्यनिश्चित रूप से नहीं होता।ह्ल अफगानिस्तान को शुक्रवार को कराची में दक्षिण अफ्रीका से खेलना है जबकि अगले बुधवार को लाहौर में टीम इंग्लैंड से भिड़ेगी। शाहिदी ने कहा, 'एक खिलाड़ी के तौर पर हमारा काम क्रिकेट खेलना है और हमें इस बात की परवाह नहीं है कि क्रिकेट के बाहर क्या हो रहा है।' उन्होंने कहा, 'हम केवल मैदान के अंदर की चीजों को नियंत्रित करते हैं इसलिए यह हमारा काम है और अन्य चीजें हमें दबाव में नहीं डाल सकतीं।'

कृष्णा गावली के तूफान में उड़ी वेंकटेश्वरा टीम, लायंस को सात विकेट से हरा मथुरा वॉरियर्स फाइनल में

लखनऊ । आज का दूसरा मुकाबला शाम साढ़े पांच बजे से वेंकटेश्वरा लायंस और सुपर स्ट्राइकर्स के बीच खेला जाएगा। यह एक एलिमिनेटर मैच होगा। मथुरा ब्रज वॉरियर्स की टीम एलएलसी टेन-10 के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। उसने लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में वेंकटेश्वरा लायंस को सात विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेंकटेश्वरा की टीम ने 10 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 90 रन बनाए थे। जवाब में मथुरा ने 7.2 ओवर में तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। कृष्णा गावली मैच के हीरो रहे। उन्होंने 22 गेंद में नाबाद 50 रन की तूफानी पारी खेली। स्कोरकार्ड देखने के लिए यहां क्लिक करें. आज का दूसरा मुकाबला शाम साढ़े पांच बजे से वेंकटेश्वरा लायंस और सुपर स्ट्राइकर्स के बीच

खेला जाएगा। यह एक एलिमिनेटर मैच होगा। हारने वाली टीम का सफर खत्म हो जाएगा, जबकि जीतने वाली टीम फाइनल में मथुरा से भिड़ेगी। इससे पहले मशहूर गायक जावेद अली भी समां बांधेंगे। वह लाइव परफॉर्म करेंगे। वेंकटेश्वरा लायंस की पारी वेंकटेश्वरा गंवाकर 90 रन बनाए। वेंकटेश्वरा के आठ खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। इनमें से तीन खिलाड़ी खाता भी नहीं खोल सके। इनमें कप्तान धर्मेंद्र कुमार यादव, सलमान मिर्जा और रोहित शर्मा शामिल हैं। इसके अलावा वसीक रजा को हर्ष यादव ने विक्रांत के हाथों कैच कराया। वह आठ गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 16 रन बनाकर आउट हुए। फिर शानू अलीगढ़ छह रन बनाकर पवेलियन लौट गए। दीपांशु बहुगुणा ने उन्हें कैच आउट कराया। कुमार गौरव राज 14 गेंद में 25 रन और हर्षित यादव भी 14 गेंद में 25 रन बनाकर आउट हुए। यह दोनों हाईएस्ट स्कोरर रहे। प्रदीप यादव दो रन, गगन एक रन, और अमन यादव पांच रन बनाकर आउट हुए। लायंस ने मथुरा ब्रज वॉरियर्स के सामने 91 रन का लक्ष्य रखा था। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वेंकटेश्वरा ने 10 ओवर में नौ विकेट

बाल-बाल बचे सौरव गांगुली, बर्धमान के पास लॉरी के अचानक आगे निकलने से हुआ हादसा

बर्धमान । यह हादसा तब हुआ जब वह बर्धमान में एक समारोह में भाग लेने के लिए जा रहे थे। गांगुली के वाहन के पीछे की कारें एक-दूसरे से टकरा गईं और उनमें से एक गांगुली की कार से टकरा गई। भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली बाल बाल बच गए। उनकी कार सड़क हादसे का शिकार हो गई। यह हादसा तब हुआ जब वह बर्धमान में एक समारोह में भाग लेने के लिए जा रहे थे। गुरुवार को एक लॉरी के अचानक उनकी कार से आगे निकलने की वजह से यह हादसा हुआ, लेकिन गांगुली को कोई चोट नहीं आई है। गनीमत रही कि हादसे में कोई घायल नहीं हुआ। हालांकि, गांगुली के काफिले की दो कारों को मामूली नुकसान पहुंचा है। दंतनपुर के पास हुआ हादसा दरअसल, गांगुली की कार दुगार्पुर एक्सप्रेसवे से गुजर रही थी और दंतनपुर में यह हादसा हुआ। दंतनपुर के पास एक लॉरी गांगुली के काफिले से अचानक आगे निकल गई, जिससे कार चालक को अचानक ब्रेक लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा। इससे एक चेन रिएक्शन हुआ। गांगुली के वाहन के पीछे की कारें एक-दूसरे से टकरा गईं और उनमें से एक गांगुली की कार से टकरा गई। पूर्व बर्धमान जिले में हुआ हादसा पुलिस ने शुक्रवार को बताया, 'टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का काफिला पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, लेकिन इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना गुरुवार को दुगार्पुर एक्सप्रेसवे पर दांतनपुर के पास हुई जब गांगुली एक कार में यात्रा कर रहे थे और एक तेज रफ्तार लॉरी ने उन्हें ओवरटेक किया।' 'कार के ड्राइवर को अचानक ब्रेक लगाना पड़ा' पश्चिम बंगाल पुलिस के एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'लॉरी के अचानक चलने पर गांगुली की कार के ड्राइवर को अचानक ब्रेक लगाना पड़ा, जिससे उनके पीछे चल रहे उनके काफिले के वाहनों से टक्कर हो गई।

लगातार चौथे दिन टूटा बाजार; सेंसेक्स 424 अंक गिरा

निफ्टी 22800 के नीचे फिसला

नई दिल्ली। बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 424.90 अंक या 0.56% गिरकर 75,311.06 पर बंद हुआ, जबकि व्यापक बाजार निफ्टी 50 इंडेक्स 117.25 अंक या 0.51% की गिरावट के साथ 22,795.90 पर बंद हुआ। आइए जानते हैं शेयर बाजार का पूरा हाल। शुक्रवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए, जिससे लगातार तीसरे सप्ताह भी गिरावट जारी रही। बाजार में गिरावट हैवीवेट वित्तीय और ऑटोमोबाइल शेयरों में कमजोरी के कारण दिखी। अमेरिकी टैरिफ से जुड़ी चिंताओं के कारण निवेशकों की धारणा कमजोर बनी हुई है। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 424.90 अंक या 0.56 प्रतिशत गिरकर 75,311.06 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 623.55 अंक या 0.82 प्रतिशत गिरकर 75,112.41 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी 117.25 अंक या 0.51 प्रतिशत गिरकर 22,795.90

पर आ गया। बीते चार कारोबारी दिनों में बीएसई का सूचकांक 685.8 अंक या 0.90 प्रतिशत गिरा, जबकि निफ्टी 163.6 अंक या 0.71 प्रतिशत गिरा। ऑटो शेयरों और विदेशी फंडों की लगातार निकासी के कारण शुक्रवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। कमजोर अमेरिकी बाजार और टैरिफ की धमकियों ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। सेंसेक्स के टॉप गेनर्स और टॉप लूजर्स शेयर ये रहे सेंसेक्स में शामिल शेयरों में से महिन्द्रा एंड महिन्द्रा में 6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। अदाणी पोर्ट्स, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, पावर ग्रिड, जोमैटो, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट भी पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे। टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, एचसीएल टेक, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक और एनटीपीसी लाभ में रहे। जानकारों के अनुसार, एफआईआई की लगातार बिकवाली, रुपये में गिरावट, महंगे मूल्यांकन और अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाने की धमकी जैसे नकारात्मक कारणों से निवेशक भारतीय शेयरों से दूर हो रहे हैं। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, वास्तव में, स्थानीय बेंचमार्क ने एशियाई और यूरोपीय दोनों सूचकांकों की तुलना में कम प्रदर्शन किया, जिनमें उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। धातुओं को छोड़कर, घरेलू बाजारों में गिरावट का कारण बैंकिंग, आईटी, दूरसंचार, ऑटो, रियल्टी और तेल एवं गैस शेयरों में कमजोरी थी। एफआईआई ने गुरुवार को 3,111.55 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 3,311.55 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि घरेलू बाजार में व्यापक आधार पर कमजोरी जारी रही, जिसका मुख्य कारण एफओएमसी की बैठक के आक्रामक रुख को लेकर निवेशकों की चिंता थी, जिसमें ब्याज दरों में लंबे समय तक वृद्धि का संकेत दिया गया था, जिससे उभरते बाजारों में तरलता बाधित हो सकती है। उन्होंने कहा, हालांकि बाजार में स्वस्थ सुधार हुआ है, लेकिन कॉर्पोरेट आय में क्रमिक सुधार और टैरिफ से संबंधित जारी जोखिमों के कारण मूल्यांकन के स्तर पर संदेह बना हुआ है।

How Oman navigated colonial stranglehold

SEEMA ALAVI'S 'Sovereigns of the Sea: Omani Ambition in the Age of Empire' is a major and fascinating, though niche, work of historical scholarship. It explores the Omani sultans' attempts to safeguard their autonomy and interests in the western Indian Ocean through the major part of the 19th century. The period witnessed fundamental changes in the region brought about largely by the European powers as they entrenched colonialism. In Oman, the British gradually tightened their grip on its rulers.

Alavi's comprehensive and insightful introduction sets the stage. She argues that "…polities, such as Oman, are projected as pliable allies of the British in controlling maritime violence. Very rarely are they studied in their own right". This is because historiography "reflects its unabashed Eurocentrism…" Thus, "imperialism sans the Arab-Islamic tint becomes the received wisdom". It is important that history acknowledges how regional political actors sought to navigate a path to preserve such autonomy as they could through the pressures they were subjected to, which included exile in India. The Omani sultans were not unique but Alavi brings their story alive in all its drama, diplomacy, war and even fratricide.

Her impressive work focuses on five Omani sultans. It begins with Sayyid Sa'id, who for half a century (1806-56) ruled Oman and its integral part, the Zanzibar Island, off the coast of what is now Tanzania. It thereafter moves to his four sons, the last of whom ruled till 1889. While Sayyid Sa'id governed a united maritime sultanate and indeed shifted his capital to Zanzibar in 1832, his sons with the intervention of the British partitioned the sultanate in 1861: Zanzibar and Oman became separate entities, with Majid followed by Barghash ruling the former, and Thuwayni and Turki the latter. The separation was strife-ridden but family and economic links remained strong.

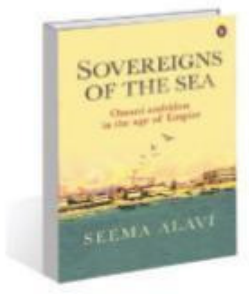

SOVEREIGNS OF THE SEA: OMANI AMBITION IN THE AGE OF EMPIRE
by Seema Alavi.
Penguin Random House.
Pages 424.
₹999

Sayyid Sa'id emerges as a visionary ruler who established a power and commercial network stretching from his base in the leased Persian port of Bandar Abbas to the Omani coast, and the country's interior areas to the maritime arc across to Zanzibar. The prosperity of his 'state' depended on agricultural produce, to trade in commodities and to that in slaves from Africa. Indeed, Alavi devotes a considerable portion of her work on the approaches of the Omani sultans towards slavery and the hypocrisy of the European powers, including the British, who allowed their people to profit from it. They did so even while imposing restrictions on the transportation of slaves on the high seas and urging the sultans to end slavery.

Even after 1873, when Zanzibar and the British entered into an agreement to end slavery, it continued on the island with the British looking the other way. Barghash undertook a trip to Britain in 1875 where he was accorded a great welcome and entertained among others by royalty. He sought to explain that slavery among the Arabs was bereft of the ills seen among other peoples. That it intrinsically robbed a human being of his very humanity escaped even a well-read and knowledgeable person as Barghash. Truth be told, economic and commercial interests triumphed over humanity then as they do now.

Both Oman and Zanzibar were cosmopolitan, with traders from Europe and India doing profitable business. Indian trading communities included both Hindus and Muslims and it would seem from the state commercial concessions awarded that there was no discrimination against the Hindus. Thus, the advent of Indian traders into the Persian Gulf and in Africa predates the establishment of European colonialism. Incidentally, the capital of Indian businessmen was also deployed for slave trade.

Another fascinating aspect thrown up by Alavi's work is the commitment of some Arab tribes to Wahhabi doctrines and the influence of these tribes in the politics of Oman. The Omani sultans were themselves followers of Ibadi Islam but were not averse to seeking the assistance of the Wahhabis, who were doctrinally so different from them. The suspicions about the Wahhabis exhibited by the British in the 19th century because of their extremist version of Islam may have had to be compromised in the 20th century with the formation of Saudi Arabia, but the baleful impact of Wahhabi doctrines on Islam has not abated.

Alavi has gone into granular detail on the governance structures of the sultans and the political challenges they faced. This is fine, but it would have been helpful to the general readers if she had provided insights into the differences of relevant Islamic doctrines and had contextualised the Omani story with what was happening among the European powers both in the Persian Gulf and in Africa. That would have assisted the non-specialist reader to gain a better understanding of the German acquisition of East African territories, which adversely affected Zanzibar and led to the British declaring it a Protectorate in 1890 while they took the same decision on Oman in 1891.

An ode to the bird and birder alike

AASHEESH PITTIE got a copy of Salim Ali's 'Book of Indian Birds' in 1978 and got in touch with the latter's nephew, veteran birder Zafar Futehally, a year later. The young Pittie paid up for a subscription for the 'Newsletter for Birdwatchers', published every two months. "I was sold, birds fascinated me," he writes.

Over four-and-a-half decades on, so are we, if not by birds (not every reader is), but by his manner of telling. This is a rare book which is an easy read. There are nearly 50 pieces and though written at different times, these are organised much like the symphony of a bird song. Birds and birding, the birders themselves and finally the author's own tryst with birding are each a self-contained section.

There is the joy of birds in many habitats and with widely varying habits, from water birds to raptors, and the rare to the commonplace. There is an important distinction between counting bird species and making lists. The watcher does not just look at birds, but enjoys studying them. How they flock and migrate, what they feed on and their interface with humans. Our manifold impact emerges ever so well in this work.

A tryst with Jerdon's Courser brings us face to face with the grim reality: the sixth extinction worldwide driven by humanity's increasing environmental footprint is no stranger to Indian ecosystems. Not seen since 1900, it was found alive and well in small numbers by Dr Bharat Bhushan in 1986.

In a despatch to the 'Newsletter' from Rollapadu sanctuary in Andhra Pradesh, 12 years later, Pittie would write of how they saw the bird briefly in pitch black night. "The needle glinted in the haystack… We had seen the rarest bird in India, on one of the oldest geological real estates in the country, indeed even in the world."

Even as you read these lines, the country is struggling to save from extinction its heaviest land bird, the Great Indian Bustard. The author asks if we can ever afford to lose it. The journey to see and study the species is backed up with a sobering thought. It is as important to life on earth as the tiger or an earthworm. "The bustard stands for the well-being of our grasslands… it strides through a nation that gave character to my nation and to my brotherhood of Gujjar, Maldhari and Bishnoi."

More than once, this book evokes memory of the late naturalist M Krishnan, who for half a century till 1996 wrote of fauna and flora but saw wonder in creatures small as much as great, with the mynah or the parakeet as engrossing as the great animals of the forest.

Where Pittie emerges as today's standard-bearer of vintage natural history is when he sees the spectacular in the ordinary. In a country obsessed with elephants, other mega fauna and stately forests, he speaks for a growing tribe in metro, town and countryside alike of those who enjoy nature at the doorstep and in the backyard. Where else would we read of the call of the grey partridge as *"Tee-tar teetar teetar"*, as opposed to that of the painted partridge whose cries resemble the now justly deemed unhealthy, *"Pan beedi cigarette"*. Salim Ali had argued once that the black partridge almost sounded like *"Pyaaz lassan adrak"*.

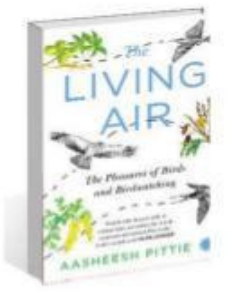

THE LIVING AIR: THE PLEASURES OF BIRDS AND BIRDWATCHING
by Aasheesh Pittie.
Illustrations by Sangeetha Kadur.
Juggernaut.
Pages 278.
₹599

A joy of reading such a work is that the language is simple, with a mild air of self-deprecation, but always an alertness not to birds, but when they were seen and how. The writings begin in a now all-too-easily forgotten analog age with cameras and paper notebooks, a bird guide in the knapsack and a postcard or a letter to a friend to seek counsel on identification. By 2023, we are in a full-blown digital age when a cellphone can be used to call out a bird from the bush, the picture and bird song identified via the web and the larger fraternity informed forthwith of a sighting.

Yet, as is clear, nothing but nothing can replace "the original activity of the birdwatcher". The book is a befitting celebration of awareness of nature, an ode to the bird and birder alike. Not to be missed.

Peek into life of courtesans who rose to fame

THIS book is about gutsy, pioneering women who began life as courtesans and then went on to play important roles in society. Many are legendary figures evoking awe even today. Madhur Gupta, in his book 'Courting Hindustan', gives a brief peek into the lives of some of them.

Interweaving facts with myths, the book introduces us to *ganikas, tawaifs, bais* and *jans* of ancient, medieval and colonial India. *Ganikas* were trained dancers and singers who learnt the 64 fine arts from the *acharayas*. We are introduced to Amrapali of the 6th century BC whose beauty attracted kings, but whose inner yearning sought Buddha. She finds mention in Buddhist chronicles as she is believed to have invited Lord Buddha to lunch at her house.

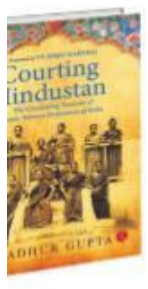

G HINDUSTAN: SUMING S OF ICONIC PERFORMERS

In the middle ages, the term *'ganika'* was dropped in favour of the Arabic term *'tawaif'*. Writing about famous *tawaifs* such as Begum Hazrat Mahal, the last ruler of Awadh, and the very rich Begum Samru, the author showcases the political and social environment in which these women lived and the challenges they confronted.

Tawaifs were skilled entertainers, excelling in poetry, music, dance, drama and languages. They were tutors of elocution and etiquette to young men of the nobility who were sent to them to learn art appreciation. Some like Gauhar Jaan, Janki Bai, Jaddan Bai and Roopmati scaled great social and economic heights, often to lose it all in the end. Balasaraswati was honoured with the Padma Vibhushan.

This book gives a bird's eye view of the lives of some famous Indian courtesans who were ahead of their times. A few of them were the last members of a tradition going back thousands of years, which has since been legislated out of Indian society.

Pakistan army and making of a soldier

A LAYERED narrative on Pakistan army's mix of militarised-nationalism balanced on religion and a push towards a not-so-subtle militarised society forms the crux of Maria Rashid's book, 'Dying to Serve: Militarism, Affect and the Politics of Sacrifice in the Pakistan Army'. It has an interesting take on how men are trained into being 'soldiers of Islam', the financial and emotional need of rural youth to join the army and Pakistan's dilemma in tackling terrorism within, as the country's enemy on its western front is not 'Hindu India' .

The army has usurped diplomacy and foreign policy while relying on religion as a means of operation, observes Rashid. It has ruled directly for roughly half of Pakistan's existence and indirectly for the rest of the time through 'manipulation of domestic politics'.

Rashid brings out how textbooks in Pakistan glorify war and valorise an 'often imagined past' of Muslim warriors as well as military soldiers who seek martyrdom to defend their country.

The author, from a family of Pakistan army officers, has spread the book across nine chapters and supports her point based on more than a hundred interviews with soldiers from around five villages of Chakwal, one of the biggest recruiting areas of the Pakistan army. Through her contacts, she gained access to administrators and officers at Rawalpindi, the headquarters of the army, from where flows the thought process of understanding the mindset of the soldier.

Unlike the other books on Pakistan military, this one is about the soldiers, their families and their sacrifices. The resultant grief of mothers or wives is woven into a narrative.

The book has come up for review at a time when sections of the army have been accused of siding with people protesting against the arrest of former Prime Minister Imran Khan. Ironically, Rashid talks about it: "Increasing scepticism about domination of the military on the states… raises questions about the future of the army as a central fulcrum of Pakistani state."

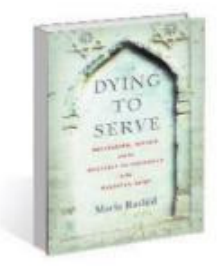

DYING TO SERVE: MILITARISM, AFFECT, AND THE POLITICS OF SACRIFICE IN THE PAKISTAN ARMY
by Maria Rashid.
Stanford University Press.
Pages 290.
₹494

The Pakistan army balances the reality that soldiers join the military service as a way of ending poverty through stable employment. She brings out the dichotomy faced by Pakistan since it launched a war on terror in 2002 as the dead soldier is often not recognised as the *'asli shaheed'* (real martyr).

The enemy in the war on terror are Muslims (the Taliban), who have a common religion and culture as the soldiers. A re-crafted war strategy includes staging events such as Youm-e-Shuhada, conducted to pay respects to those dying in the war on terror. The army has ensured that the term *'shahadat'* (martyrdom) is for its soldiers and not the Taliban.

Rashid writes in detail about the 'manufacturing process' of a soldier, as to how the peasant-subjects are turned into soldier-subjects at the Abbottabad training establishment using a mix of religion and military training. The army-soldier relationship is sustained by a comprehensive welfare package enabling the status of patron for the army. Post-retirement jobs, institutional welfare, generous pensions, subsidised housing, education and health facilities, are good sops for the youth to join the army.

The author takes the reader to the underbelly of the Pakistan army. Widows of dead soldiers are expected not to remarry and in case of remarriage, their allowances could be withdrawn. The compensation packages — cash, pension, land allotment, etc — offered to the kin of *'shuhada'* (those killed in action) are completely masked from the public view as it goes 'against the image' of a soldier dying in selfless sacrifice.

This is unlike India, where allowances for the kin are made public and even come up in Parliament questions.

Rashid has restricted her opinion on the making of a Pakistan soldier without any detailed mention of India. Barring passing references like 'Hindu India', the book has no details on the Pakistan armymen's indoctrination against India. Maybe it could form the basis of another book.

BACKFLAP

NINE years since it hit the shelves and after five re-prints, an updated edition of 'Indian Mammals' by wildlife conservationist Vivek Menon is out. The book covers the rich diversity in India, featuring more than 440 species of both terrestrial and aquatic mammals. Rigorously researched and planned for easy reference, the compact field guide is an essential resource for wildlife enthusiasts of any age. It's a treasure trove of information, with carefully curated photographs and supplementary illustrations. The new edition, says the author, has been necessitated by a number of taxonomic and distributional changes among bats and rodents, as well as the addition of a few large mammals.

INDIAN MAMMALS: A FIELD GUIDE
by Vivek Menon.
Hachette.
₹1,299

IN 'Thatheras of Jandiala Guru', Sukhdev Singh documents the unique craftsmanship of metal utensils associated with a small town near Amritsar. With illustrative photographs and extensive groundwork, the retired GNDU professor, who has been a member of INTACH, gives a rare insight into the languishing craft of Punjab and the skilled artisans associated with it. The prime objective of the book, he says, is to make people aware of the rich heritage of handmade copper, brass and bronze vessels and draw attention for extending support to the community. The Thathera craft is on UNESCO's list of Intangible Cultural Heritage.

THATHERAS OF JANDIALA GURU
by Sukhdev Singh.
INTACH.
Pages 64.
₹495

IN 'The Evolution of Pragmatism in India', Scott R Stroud focuses on Dr BR Ambedkar's relationship with, and debt to, his Columbia University teacher, the renowned American philosopher John Dewey. Their engagement is presented as a defining moment. The 'intellectual biography' explores the influence of Dewey's pragmatism on the architect of the Indian Constitution. In his meticulously researched work, the author is also careful to point out how Ambedkar pushed back against his teacher's paradigm and developed his own approach to the challenges in India. The book is a nuanced study of one of the most important figures in modern Indian history.

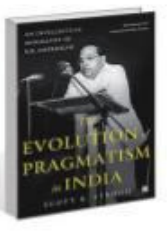

THE EVOLUTION OF PRAGMATISM IN INDIA
by Scott R Stroud.
HarperCollins.
Pages 302.
₹599

For that healthy mane

Do we have an outright cure for a receding hairline? And what works best—medications, therapies or invasive treatments?

DELHI-BASED SCHOOL TEACHER Anjoo Pandey (name changed) was having trouble with hair loss for several years. More than the inflated advertisements and claims on hair-regrowing products like oils, shampoos and serums on the Internet, she was looking for solace from the dermatologically tested offerings. But all in vain. Eventually, she also consulted medical experts specialising in hair loss treatment. The process, however, has been slow and her journey towards mermaid-like hair remains a distant dream.

Hair loss is a universal issue. Like Pandey, who turns 29 this year, there is no age for hair loss. In fact, experts say everyone experiences significant hair loss during their lifetime. And there are not one but multiple reasons for hair loss, be it medical condition, physical or hormonal change, and even emotional stress. However, there are ways to combat hair loss and make hair regrowth possible by not just treatments administered at the doctor's clinic, which have been clinically proven, but also with diet, destressing habits and more.

"In recent years, the prevalence of hair loss has increased significantly due to various factors such as genetics, hormonal imbalances, crash diets, unhealthy lifestyles, medications, nutritional deficiencies, medical conditions, insufficient sleep or stress. We have seen several advancements in both invasive and non-invasive hair regrowth treatments that offer promising results for individuals experiencing hair loss. Non-invasive treatments, such as topical minoxidil (a liquid or foam), hair peptides, low-level laser therapy and platelet-rich plasma (PRP) therapy, can stimulate hair follicles and promote hair growth with minimal discomfort and downtime, and these treatments are generally considered safe, positively impacting one's self-esteem and overall wellbeing," says Dr Kalpana Sarangi, cosmetic dermatologist and trichologist, Nanavati Max Super Speciality Hospital, Mumbai.

Hair transplants can be a permanent solution but then such procedures do have surgical intervention and can have potential risks like skin infection, scars, etc. Dr Sarangi advises consulting a qualified hair restoration specialist to determine an ideal treatment based on the individual's pattern, medical history and personal preferences.

An alternative treatment can be the simple use of hair patches or wigs for bald areas. For those with thinning hair lines, this can be a temporary remedy. Patches, also called hairpieces, can be affixed to the scalp and can also be blended with the original hair. Wigs are temporary but can cover certain areas and are convenient to take off or put back when required.

However, wearing a hairpiece or wig is time-consuming, and maintenance intensive, says Dr Navya Handa, dermatologist, cosmetologist and laser surgeon, Primus Super Speciality Hospital in Delhi. "It may also cause some people to feel self-conscious or uneasy. So, it is critical to explore all hair restoration alternatives, including medical treatments and hair pieces or wigs, and to select the option that best meets individual needs and preferences," she adds.

Available treatments

As per Dr Handa, both surgical and non-invasive hair regeneration procedures, like any medical therapy, have possible dangers and adverse effects.

"Invasive therapies may result in transient swelling, redness and pain at the transplant site, as well as infection or scarring in rare situations. Non-invasive therapies might result in temporary hair loss, itching or scalp discomfort," she says.

In fact, hair transplants have become some of the most sought-after cosmetic procedures to restore natural hair within a year. "Surgical methods like hair transplant surgery and scalp reduction can help restore hair growth. Even natural therapies such as essential oils, herbal supplements and scalp massage may help increase hair growth. However, their efficacy is unknown. When used as indicated and under the guidance of a trained healthcare physician or hair restoration specialist, hair regeneration procedures can be safe," says Dr Handa.

However, Dr Handa warns against hair regeneration therapies like medical therapy, which have possible hazards and adverse effects. "Some drugs, for example, may cause scalp irritation, itching or dryness, whereas surgical techniques may result in infection, scars or uneven hair growth."

Hair regrowth is not a single process, rather, the hair grows back after shedding (for variable periods) after overcoming (permanently or temporarily) whatever made it fall in the first place. Any regrowth should start with the cause first, says cosmetic dermatologist Dr Renita Rajan, founder of Render skin and hair clinics in south India.

"If it is male pattern hair loss, then the hormones need to be placated. Topical, oral medications, injectable procedures are all subject to the fact that they need to be continued for long/ forever depending on the cause, so regrowth procedures and treatments and even medicines are tempered by this fact," she explains.

"On the prescription front, oral minoxidil is making a big comeback. Products that people could use without a prescription are multitasking molecules like caffeine-redensyl complex and melatonin that come in the form of sprays and serums have very good acceptance. Newer injectable treatments are promising but the longevity of results needs to be established. Platelet-rich plasma (PRP) membrane is an activation of the clotting mechanism, which in turn activates platelets and stimulates the release of their growth factors. PRP even now has its supporters and detractors," she says, adding how people often differentiate between new growth and regrowth.

"As such, this distinction cannot be made in adult hair loss—it is about how many hairs are in the growth phase and for how long—with whatever the method of treatment, the aim is to move as much hair into the anagen phase (the active phase in which the hair follicle takes on its onion-like shape and works to produce the hair fibre)—and keep them for as long as feasible," says Rajan.

Similarly, cosmetic dermatologist Dr Chytra Anand, founder of Kosmoderma Skin & Hair Clinics and SkinQ, a skincare line, suggests progenitor cell therapy for hair loss. "It's a cutting-edge procedure for targeting hair regrowth. A small skin tissue sample like a biopsy is taken from behind the ear. This is then spliced with a 600-blade spinner to make a solution of activated growth factors and progenitor cells. This solution is then injected into the scalp on the area of hair loss. One session every 9-12 months is advised for male and female pattern early-stage hair loss or for thickening hair and post-transplant for maintenance performed by a dermatologist," says Anand.

The growth factors, in the latest therapy called Exosomes, a new medical treatment that utilises tiny vesicles to deliver therapeutic molecules to specific cells in the body, are the highest in any given solution. It's derived from the human umbilical cord of the foetus and hence has a high concentration of growth factors. "The solution is applied to the scalp post derma roller or micro needling. It is not to be injected. The procedure is performed once in four weeks for four to six sessions. After that the results are maintained with a procedure once in three months," adds Anand.

Home remedies

While the average rate of hair growth is half-an-inch per month, one can improve everyday diet and include proteins, vitamins and minerals like iron and zinc. "Vitamin B7, known as biotin, is very important for hair. It is available in eggs, fish, liver, whole grains, nuts and seeds, avocado, yogurt and cottage cheese. Have a small bowl of sprouts daily. It contains amino acids, which promote healthy hair growth. The hair is fed by the nutrients in the bloodstream. That is why the diet is so important," says Shahnaz Husain, CMD and founder of Shahnaz Husain Group.

There are many ayurvedic products used to restore the normal balance and scalp health. As per Husain, specialised hair tonics can be applied and ayurvedic ingredients like herbs contain vitamins, minerals, enzymes and other valuable substances that are imperative for hair health. She says, "*Brahmi* helps in treating stress-related hair problems, while herbs like *bhringaraj* and *manjistha* have powerful tonic properties. *Amla* is the richest source of vitamin C. *Triphala* is a combination of three herbs good to promote hair growth and is one of the important ingredients of our specialised hair tonic."

Even homeopathy has scientifically proven medicines to promote hair growth, especially when hair loss is caused by underlying medical conditions. According to Dr Akshay Batra, MD, Dr Batra's Healthcare, hair regrowth can happen naturally, especially if the hair loss is caused by a transitory ailment like anxiety or hormonal changes post-delivery.

"Eating a nutritious diet, exercising regularly and stress management will surely help stimulate natural hair growth. But invasive treatments like hair transplant and PRP therapy have potential side effects associated with the risk of the procedure such as slow healing discomfort, cross-cut infection and, in very rare cases, severe reactions such as anaphylactic shock," he adds.

HELP AT HAND

Non-invasive treatments

Nutritional supplements, vitamins and minerals like biotin and zinc help

■ Scalp treatments include over-the-counter or prescription strength solutions containing minoxidil, applications with hair peptides and combinations with newer generation molecules for hair growth

■ Prescription medications like finasteride and dutasteride are taken orally and work to block the production of dihydrotestosterone hormone, which is associated with hair loss in men

Low-level laser therapy involves exposing the scalp to low levels of laser light as well as hair patches that now come with advanced technology. Hair accessories made of human hair give a natural look

Invasive treatments

■ Hair transplant surgery takes hair follicles from one area of the scalp and transplants them to another area that is experiencing hair loss

■ Platelet-rich plasma therapy involves injecting the patient's own blood plasma, which is rich in growth factors, into the scalp

In mesotherapy, multiple puncture wounds are created with the help of motorised micro-needling devices over which vitamin cocktails and hair peptides are sprayed to enhance infusion into the scalp and promote hair growth

(Courtesy: Dr Sonali Kohli, consultant dermatologist and venereologist, Sir HN Reliance Foundation Hospital, Mumbai)

DOs & DON'Ts

■ Avoid vigorous head massage as it can weaken the roots or cause hair fall

■ Hot oil therapy with pure coconut oil or sesame seed (*til*) oil is useful

■ Treatments don't come cheap. While hair weaving can be done at a cost of ₹5,000 to ₹25,000, depending on the method chosen, hair transplant surgery can cost about ₹60,000 to ₹1,00,000 on an average

■ Wearing a wig, hair weaving, hair extensions and hair transplants are done if the person is partially bald. Partial hair extensions are popular in the hair-weaving method. Its maintenance like washing the hair and keeping the scalp clean poses a problem and one has to visit the clinic regularly to get the weave tightened when the hair grows out

■ Hair extensions add length and thickness and come in many forms—clip-ons, switches, braids or toupees

(Courtesy: Shahnaz Husain, CMD and founder, Shahnaz Husain Group)

Avoid a 'tech neck'

Not just eyesight, excessive screen time leads to other issues as well

EXCESSIVE SCREEN TIME is a concern for all, particularly youngsters. Dr Rituparna Ghosh, clinical psychologist, Apollo Hospitals, Navi Mumbai, says while excessive use of devices can have negative effects on children and teenagers, it is not typically a reason for hospitalisation unless there are severe underlying issues. The most common concerns related to excessive screen time in this age group are usually managed in outpatient settings, such as primary care clinics or mental health facilities, she says.

Dr Rituparna Ghosh, clinical psychologist

Are you seeing clinical cases of mental health and addiction to phones among youngsters?

Yes, mental health issues related to phone use, such as addiction, anxiety, depression and social isolation, can affect children and teenagers. Excessive phone use, particularly when it interferes with daily activities and relationships, can contribute to these problems. However, it is important to note that mental health issues can have various underlying causes, and phone use may be just one contributing factor.

Apart from eyesight, what other physical ailments can happen due to excessive phone use among youngsters?

Excessive phone use can lead to various physical ailments in youngsters.

Musculoskeletal issues: Maintaining poor posture while using phones for extended periods can cause neck, shoulder, and back pain, often referred to as 'tech neck' or 'text neck'.

Sleep disturbances: The blue light emitted by screens can disrupt sleep patterns, leading to insomnia or poor quality sleep.

Physical inactivity: Excessive screen time can contribute to a sedentary lifestyle, leading to weight gain, decreased fitness, and an increased risk of obesity.

Hand and wrist problems: Excessive texting or gaming on smartphones can contribute to repetitive strain injuries like tendinitis or carpal tunnel syndrome.

Do doctors prescribe a cut-off age to begin phone use in children?

There isn't a specific cut-off age prescribed by doctors for children to start using phones. However, it is generally recommended to delay the introduction of smartphones until children reach an age where they can understand and follow appropriate digital etiquette, use the devices responsibly, and are less vulnerable to the potential risks associated with excessive screen time. Ultimately, the decision should be based on the child's individual needs, maturity and the guidance of parents or guardians.

Shubman Gill becomes No 1 ODI batsman

PTI ■ DUBAI

India vice-captain Shubman Gill on Wednesday dethroned Babar Azam of Pakistan from the Number one spot in the ICC ODI Rankings for batters on the back of his strong show against England in the recent home series.

The ICC issued the latest rankings just ahead of the start of the eight-team Champions Trophy (CT) in Karachi with the match between Pakistan and New Zealand.

"India right-hander Shubman Gill overtakes former Pakistan captain Babar Azam to become the top ranked ODI batter in the world," the ICC said.

Gill, who scored two fifties and a century in the recent three-match ODI series against England at home which India won 3-0, jumped one place to the No. 1 spot. He now has 796 rating points compared to Babar's 773.

India skipper Rohit Sharma is placed at the third spot with 761 points followed by South Africa's Henrich Klaasen and New Zealand's Daryl Mitchell at fourth and fifth respectively.

"It's a major shake-up at the top of the rankings just prior to the start of the Champions Trophy and leaves an interesting sub-plot to what will transpire over the coming weeks during the eight-team tournament in Pakistan and Dubai," the ICC said.

"This is the second time Gill has held the No.1 ranking in ODI cricket, with the India batter having also gone past Babar to claim top spot midway through the ICC Men's Cricket World Cup in 2023.

"Gill has been in excellent form of late, with his century against England in Ahmedabad during the third ODI of the recently concluded series enough to catapult the 25-year-old to the top of the rankings," the global governing body added.

Sri Lanka's Maheesh Theekshana, meanwhile, has taken the first position in the ODI rankings for bowlers as he replaced Afghanistan captain Rashid Khan.

"While Sri Lanka won't be featuring at the Champions Trophy, Theekshana earned the top spot following his exploits against the Aussies that included an excellent four-wicket haul in the opening match of that series in Colombo," the ICC said.

Sri Lanka had recently handed a 2-0 whitewash to Australia with Theekshana taking four wickets.

The Sri Lankan spinner has 680 rating points, followed by Rashid at second, Namibia's Bernard Scholtz at third, India's Kuldeep Yadav at fourth and Pakistan's Shaheen Shah Afridi at fifth.

"Meanwhile, Afghan spin wizard Rashid drops to second and will be keen to regain the No.1 spot as he trails his Sri Lankan counterpart by just 11 rating points," the ICC said.

"While a trio of spinners in India's squad Kuldeep Yadav (up one place to fourth), South Africa's Keshav Maharaj (re-enters the rankings in sixth) and New Zealand's Mitchell Santner (up four rungs to seventh) are all inside the top 10 after making ground this week."

Afghanistan veteran Mohammad Nabi remains the top ranked all-rounder in ODIs, followed by Sikandar Raza, Azmatullah Omarzai, Mehidy Hasan Miraz and Rashid.

Ex-Mumbai captain, selector Milind Rege passes away at 76

PTI ■ MUMBAI

Former Mumbai captain and selector Milind Rege, a highly respected figure in domestic cricket, died after suffering a heart attack on Wednesday, just days after turning 76.

Rege, who turned 76 last Sunday, was admitted in the intensive care unit of the Breach Candy Hospital here and passed away around 6am on Wednesday morning. He is survived by his wife and two sons.

The all-rounder had suffered a heart attack at the age of 26 but returned to the cricket field and even captained Mumbai in the Ranji Trophy.

He played 52 First-Class matches between 1966-67 and 1977-78, taking 126 wickets with his right-arm off-break bowling. He also contributed with the bat, scoring 1,532 runs at an average of 23.56. Legendary batter Sachin Tendulkar recalled Rege's contribution in the early days of his career.

"Sad to hear about Milind Rege Sir's passing. He was a true Mumbai cricketer with immense contributions to the city's cricket. He and other CCI members saw potential in me and asked me to play for CCI, which, as I look back now, was a landmark moment in my career," Tendulkar wrote on 'X' in a tribute.

"He could pick out a talented player from a sea of hardworking hopefuls. He had a special sixth sense to pick talent at all levels, but especially at junior levels.

"He leaves behind a void, one that's tough to fill. He may not be around, but his imprint on people's lives will always live on. He made a difference to so many lives and definitely made a difference to mine. Thank you, Sir, for everything. Heartfelt condolences to his friends and family," Tendulkar added.

The Indian cricket board also conveyed its condolence message.

"The BCCI mourns the passing of Milind Rege, former Mumbai captain and selector. A pillar of Mumbai cricket, he played a key role in its growth and legacy. His keen eye for talent and contributions as a commentator earned admiration across the cricketing fraternity," it said.

"The Board extends its heartfelt condolences to his family, friends, and the @MumbaiCricAssoc," the BCCI added.

Former India all-rounder and coach Ravi Shastri described Rege as a "true champion".

"Really sad to hear about the demise of a dear friend Milind Rege. A true Champion in his contribution to Mumbai and Tata's cricket all-round. A Mentor Par Excellence. Heartfelt condolences to Raj and family. God bless his soul," he said.

A childhood friend of former India captain Sunil Gavaskar, Rege attended the same school and college as Gavaskar and played alongside him at the Dadar Union Sporting Club.

As one of the most revered figures in Mumbai as well as domestic cricket, Rege held several roles through his career and was also associated with with the Mumbai Cricket Association as a cricket advisor.

The Mumbai cricket team, which is currently playing their Ranji Trophy semifinal against Vidarbha in Nagpur, took the field on the third day wearing black armbands to honour Rege.

Raducanu loses to Muchova in Dubai Championships

PTI ■ DUBAI

Emma Raducanu lost to Karolina Muchova after an emotional first set in which a spectator was ejected at the Dubai Championships.

The 2021 US Open champion appeared to be in tears as she went to the umpire's chair after the second game Tuesday and her second-round match was briefly paused on Court 2.

After speaking to the umpire, who immediately called tournament organizers, Raducanu stood in a small space between the official's chair and courtside screening before Muchova moved over to console her.

Raducanu then picked up a towel, wiped her face, nodded and continued the match.

The British player rallied from 4-0 down to force a tiebreaker but eventually lost 7-6 (6), 6-4 to Muchova.

Organizers of the women's tour issued a statement later saying Raducanu was approached in a public space Monday "by a man who exhibited fixated behavior" and "this same individual was identified in the first few rows during Emma's match on Tuesday... And subsequently ejected."

"He will be banned from all WTA events pending a threat assessment.

The WTA said it was working with Raducanu and her team "to ensure her well-being and provide any necessary support."

A man who stalked Raducanu while she was still a teenager was sentenced to an 18-month community service order and given a five-year restraining order after appearing in a British court in 2022.

Amrit Magar, a former delivery driver from London, went to Raducanu's home on three separate dates, loitered outside, left unwanted gifts and cards, and stole property.

Raducanu rose to fame in 2021 by winning the US Open as a qualifier, one of the the most unlikely achievements in tennis. She hasn't been past the third round at a major since then and has spent long stints recovering from injuries.

The 14th-seeded Muchova advanced to a meeting against No. 53-ranked McCartney Kessler, who upset 2023 U.S. Open champion Coco Gauff 6-4, 7-5.

Third-ranked Gauff hadn't fallen to an opponent ranked outside the top 50 since a loss to Sofia Kenin (128th) at Wimbledon in 2023.

Earlier, second-seeded Iga Swiatek beat Victoria Azarenka 6-0, 6-2 and will next face Dayana Yastremska for a spot int the quarterfinals.

Top-seeded Aryna Sabalenka eliminated Veronia Kudermetova 6-3, 6-4, and defending champion Jasmine Paolini defeated Eva Lys 6-2, 7-5.

Ranji Trophy semifinal: Vidarbha lead by 260 runs against Mumbai

PTI ■ NAGPUR

Yash Rathod and Akshay Wadkar shared an unbroken 91-run partnership as Vidarbha recovered from a mini collapse to lead by 260 runs against Mumbai at stumps on day three of their Ranji Trophy semifinal here on Wednesday.

After Vidarbha dismissed Mumbai for 270 to take a first-innings lead of 113 runs, the hosts found themselves in trouble after being reduced to 56 for four, thanks to Shams Mulani's (2/50) two-wicket burst.

However, Rathod (59) and Wadkar (31) steadied the ship, guiding Vidarbha to 147 for four in 53 overs.

At stumps, the duo, who train at the same academy in Nagpur, remained at the crease, but with Mulani and the spinners making the ball talk, Vidarbha are aware that the job is far from over, with two full days of play remaining.

With a 113-run first innings lead in hand, the hosts had a solid foundation, but Mumbai all-rounder Shardul Thakur (1/14) gave them a glimmer of hope with an early breakthrough in the second over.

Thakur, who is set to join Essex for the County Championship, removed Atharva Taide for a duck, trapping him in front with an inswinger.

Danish Malewar (29), who scored a vital 79 in the first innings, looked in good touch, hitting five boundaries before Mulani dismissed him off his own bowling with a sharp caught-and-bowl effort, leaving Vidarbha at 40 for two.

Karun Nair (6), in scintillating form, joined opener Dhruv Shorey (13) at the crease, but Tanush Kotian (1/33) made an impact, dismissing Shorey LBW after he missed a classic off-break delivery.

Much was expected of Nair, but he too fell, sent back by Mulani, as Vidarbha slumped to 56 for four. Nair was rapped on the pads while trying to defend and although he challenged the on-field umpire's decision, he lost the appeal. Wadkar and Rathod then regrouped, building a steady partnership to bring Vidarbha back on track.

Earlier, Akash Anand completed his second first-class century and shared a 69-run stand with Tanush Kotian (33) to lead Mumbai's recovery after they ended the second day at 188 for seven.

Anand, who resumed his innings on 67, played a gritty knock, facing 256 balls and hitting 11 fours. His partnership with Kotian took Mumbai close to the 250-mark before left-arm spinner Parth Rekhade broke the stand, removing Kotian with a delivery that drifted in from around the stumps to bowl him out.

Djokovic loses to Berrettini in Doha

PTI ■ DOHA

Novak Djokovic was upset by Matteo Berrettini 7-6 (4), 6-2 on Tuesday at the Qatar Open in the Serb's first match since exiting the Australian Open with a hamstring injury.

The 37-year-old Djokovic, ranked No. 7, lost to the Italian for the first time in five career matches and will have to wait to join Jimmy Connors (109) and Roger Federer (103) as the only players in the ATP Tour's 100-win club.

The 24-time Grand Slam champion reached the Australian Open semifinals but retired from the last-four match against Alexander Zverev because of a hamstring injury.

Djokovic said he didn't have "any pain or discomfort."

"I was outplayed by just a better player today," he said. "I wasn't at my desired level, and it could be that I'm still not moving the way I want to move, but ... I played without pain, so there is no excuse in that."

Berrettini won for the 10th time in his career against a top-10 player and will face Tallon Griekspoor in the second round.

Always liked Champions Trophy as tournament: Virat

PTI ■ DUBAI)

Indian superstar Virat Kohli has always liked the format of Champions Trophy (CT) as it demands the eight participating teams to be at their best from the get go. The Champions Trophy is taking place for the first time since 2017 when India lost the final to Pakistan.

India open their campaign against Bangladesh here on Thursday.

"The tournament is happening after a long time. I have always liked this tournament. It represents consistency as you have to be in the top 8 of the rankings (to qualify). The level of competition is always good," Kohli told Star Sports.

Kohli, who has played three editions of the 50-over event in 2009, 2013 (when India won) and 2017, likened the tournament to the fast-paced T20 World Cup.

"In ODI format, it creates the pressure of a T20 World Cup. There also you have three or four games in the league stage. If you don't start well, you are under pressure. The pressure is from the first game itself and that is why I like it, you have to be at your best from game one," said the former India captain. India will play their remaining league games against Pakistan on February 23 and New Zealand on March 2. While the tournament host is Pakistan, India will be playing all the games in Dubai as part of the event's hybrid model.

Kohli will be aiming for a bagful of runs in the tournament after a tough Test tour of Australia. He was back amongst the runs in the preceding ODI series against England, scoring a half-century in the final game in Ahmedabad.

Bangladesh can beat any team in Champions Trophy: Shanto

PTI ■ DUBAI

Heading into their Champions Trophy (CT) opener against formidable neighbours India, Bangladesh skipper Najmul Hossain Shanto was filled with optimism. He was particularly emboldened by the rise of pace sensation Nahid Rana, who has added a new dimension to their bowling attack.

The 22-year-old Rana holds the record for the fastest ball (152kph) bowled by a Bangladesh cricketer, hits 150kph on occasion, and averages 145kph for most of his spells.

Besides the presence of Rana and experienced pace colleague like Taskin Ahmed, the team also has few useful all-rounders and spinners, and some good batters. "Obviously, all-rounders always balance the team and we have got some good all-rounders. I hope they will perform tomorrow," Shanto said in the pre-match press conference here on Wednesday.

"If you look in this format, our team is quite balanced and we believe we can beat any team in this tournament. All teams are capable of winning this trophy but I am someone who is not thinking about the opponents much. If we execute our plan properly we can beat any team in any day," Shanto said.

After years of struggle, Bangladesh are now in a position to boast a good pace-bowling attack, feels Shanto.

"Yes, obviously. I think we always struggle with our seam attack, but last couple of years we have got some quality fast bowlers. Now we have got Nahid Rana, Taskin the way they are bowling. I think it helps a lot.

"As a captain, we love to see them bowling fast. So, I'm really happy that we have got a good fast bowling unit and under lights the ball might swing. So, if they bowl in the good areas, it will help our team."

Rana has done well in his nascent career, having taken 20 wickets in six Tests and four scalps in three ODIs.

Bangladesh are in a group in which the spotlight is on traditional rivals India and Pakistan, and Shanto was asked if this is a favourable position to be in before a big tournament.

"Yeah, obviously. I think if you look at all eight teams - they are quality teams. And against India, Pakistan, New Zealand,

we have good memories. We won a couple of matches in recent times.

"Last year, when we played India in Bangladesh, we have some good memories from then. But that is past, I think if we play well tomorrow and execute our plan, we will have a good match tomorrow," he said.

Shanto refused to read much into the absence of India's pace spearhead Jasprit Bumrah and Bangladesh's star all-rounder Shakib al Hasan.

The conditions in the UAE are familiar to both the teams but for Bangladesh to have any chance against India, Shanto knows that they will have to have one of the best days in all departments.

"We have to play well in all departments - batting, bowling, fielding - because I think the way we played the last few years in this format, I think we have a good side and as you mentioned the conditions are quite similar. I'm really confident that we will prepare ourselves well."

When asked about Rana, Shanto said he was looking to leading the pace attack on Thursday and that his emergence has motivated the whole bowling unit.

"I think last few matches he bowled really well and bowled fast. And when we see in the ground bowling like this, it helps our whole bowling unit. And it's motivated us.

"He needs to be fit and he can continue his bowling form. We have got another two-three fast bowlers as well," he said.

After their opener in Dubai, Bangladesh will be playing their last two group games in Pakistan, and the conditions there are going to be different.

"Yes, here I think we need to adjust, because if you look at this wicket, probably it's not that high scoring if you compare to Pakistan. So, we have to adjust.

"Recently we played against Pakistan in a Test match in Rawalpindi. We have that experience how the wicket will behave. But as a cricketer, I think we all understand when we need to adjust and how to play the game. I don't think it will be difficult."

Talks around fast-bowling unit

With Rana linking up with the likes of Taskin, a lot of people have started talking about Bangladesh's fast bowling department, and Shanto said factors such as switching to Duke balls and arrival of experts from overseas have contributed to the improvement in the country's pace attack.

"I think the important thing is the wicket and the ball has been changed in first class cricket. We play with the Duke ball, so the fast bowlers wanted to bowl a lot of overs and we get a little bit charged.

"And obviously there is a lot of local coaches and obviously overseas coaches there, so they helped and they motivated the fast bowlers, how they can compete in the international arena."